खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 15 अगस्त, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 12+8 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-6 | अंक-227

मस्क के साथ इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा- कमला हैरिस राष्ट्रपति बनी तो अमेरिका को तबाह करके रहेंगी

वाशिंगटन, 14 अगस्त। (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन राष्ट्रपति उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका की उप राष्ट्रपति कमला हैरिस और राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रैट उम्मीदवार को कट्टर वामपंथी करार देते हुए कहा कि अगर राष्ट्रपति चुनी गईं तो वे अमेरिका को तबाह कर देंगीं। ट्रंप टेस्ला के प्रमुख एलन मस्क से दो घंटे लंबी बातचीत में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव और उसकी चुनौतियों पर बेबाक राय रखते हुए कमला हैरिस पर जमकर बरसे।

दो घंटे लंबे इस साक्षात्कार को लंबट्रंप का इंटरव्यू अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क को मंगलवार को ही लेना था जो साइबर अटैक के कारण निर्धारित समय से देर से शुरू हुआ।

देश को भी तबाह कर देगीं कमला हैरिस - दोबारा राष्ट्रपति बनने के लिए कमला हैरिस को टक्कर दे रहे 78 वर्षीय ट्रंप ने कहा कि उनकी राय यही है कि उनकी नीतियों से अमेरिका में और भी अवैध लोगों का आना पक्का हो जाएगा। उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडन पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि अभी हमारे पास कोई राष्ट्रपति है ही नहीं और कमला हैरिस उससे भी बदतर हैं। वह सैन फ्रांसिस्को की उदारवादी हैं जिन्होंने उस शहर, कैलीफोर्निया को बर्बाद किया और अब अगर चुनी गईं तो हमारे देश को भी तबाह कर देंगीं।

अवैध नागरिकों को अमेरिका में बसा लेगीं - ट्रंप ने दावा किया कि अगर कमला राष्ट्रपति बनीं तो वह पूरी दुनिया से 5-6 करोड़ अवैध नागरिकों को अमेरिका में बसा लेगीं। कमला जितने अवैध लोगों को अमेरिका में ले चुकी हैं, वह तादाद हमारी सोच से बड़ी है। बहुत से देश अपनी जेलों को खाली करके अपने अपराधी अमेरिका भेज रहे हैं। यह हमारे घरों तक अपराध और हिंसा ला रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि चुनावी रैली में अवैध आव्रजकों के बोर्ड के कारण ही वह उन पर हुए जानलेवा हमले में बच पाए। वैसे उन्होंने उस चार्ट को कभी भी 20 प्रतिशत से ज्यादा इस्तेमाल नहीं किया लेकिन उस दिन उसी के पीछे छिपकर उन्होंने खुद को गोलीबारी से बचाया।

न्यूज़ ब्रीफ

अमेरिका में बिल्डर लाया मुस्लिमों के हाउसिंग प्रोजेक्ट, विवाद हो गया खड़ा

वॉशिंगटन। अमेरिका में एक भारतीय मूल का बिल्डर मुस्लिम हाउसिंग सोसायटी बनाने का प्रोजेक्ट तैयार किया जिसके बाद वहां इसको लेकर विवाद खड़ा हो गया है। भारतीय मूल के डेवलपर फराज यूसुफ अमेरिका के मिनेसोटा में एक सोसायटी बनाना चाहते हैं, जिसमें 434 घर, दुकानें, खेल का मैदान और मस्जिद भी शामिल है। ये सोसायटी खासतौर पर मुस्लिमों के लिए है और इस पर शहर दो धड़ आपस में बंट गए हैं। एक तबका इसे अलगाव को बढ़ावा देने वाला बताकर विरोध कर रहा है तो दूसरा धड़ा इसका विरोध किसी की आजादी में सीधा दखल बताया रहा है। यह आवास योजना हेरोल्ड रॉबिन्सन के सोड फार्म में प्रस्तावित है। एक रिपोर्ट के मुताबिक परियोजना के समर्थक और विरोधी, दोनों से बात की है। प्रोजेक्ट के विरोधी ल्यूक वाल्टर इसे पसंद और डिजाइन के आधार पर अलगाव कहते हैं तो समर्थक डीन डोवोलिस ने कहा कि क्या लोग रहने की आजादी भी खो रहे हैं। यूसुफ की परियोजना का नाम मदीना लेक्स है। उनका कहना है कि विकास आवास कानूनों का पालन करते हुए वह प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। यह मुस्लिमों के लिए अनुकूल होगा लेकिन यह केवल मुसलमानों के लिए नहीं है। इसकी वजह है कि इस क्षेत्र में मुस्लिमों की काफी तादाद है। ब्रिटिश अप्रवासी ल्यूक वाल्टर मदीना लेक्स का विरोध करने वालों में हैं। मदीना लेक्स उनके घर से कुछ दूरी पर है और वाल्टर धर्म-आधारित आवास समितियों पर असहमति जताते हैं। उन्होंने ऐसी जगह पर आपत्ति जताई जहां गैर-मुसलमानों का समान रूप से स्वागत नहीं किया जाएगा। वहीं बिल्डर यूसुफ की विश्वसनीयता पर भी सवाल हैं। ऐसे में हाउसिंग प्रोजेक्ट के बारे में परिषद की बैठक में वाल्टर ने कड़ा विरोध किया है। वाल्टर का मानना है कि इस तरह से शहर विभाजित हो जाएगा।

यूनुस सरकार के नए फैसले से दो गुटों में बंटी बांग्लादेश की सेना

ढाका। बांग्लादेश में नई सरकार के एक फैसले के खिलाफ सेना में ही दो गुट बन गए हैं। दरअसल नई

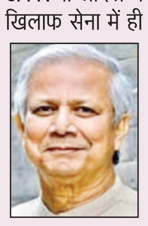

सरकार की तरफ से बांग्लादेशी सेना के आठ बड़े अधिकारियों को गिरफ्तार करने का दबाव बनाया जा रहा है, जिसे लेकर सेना के कुछ अधिकारियों में नाराजगी दिख रही है। दरअसल शेख हसीना की मुखालफत करने वाले तमाम लोग चाहते हैं कि शेख हसीना और उनके करीबी अधिकारियों के खिलाफ किसी न किसी मामले में मुकदमा चलाया जाए और उन्हें जेल भेजा जाए। दरअसल बांग्लादेश की अंतरिम सरकार कुख्यात आईना घर के नाम से मशहूर गुप्त हिरासत केंद्र की देखरेख के लिए जिम्मेदार बांग्लादेशी सेना के आठ बड़े अधिकारियों को गिरफ्तार करने का दबाव बना रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, इस कुख्यात गुप्त हिरासत केंद्र की जिम्मेदारी एक मेजर जनरल और एक ब्रिगेडियर जनरल अधिकारी के हाथ में होती थी। साल 2013 से 2017 तक मेजर जनरल मोहम्मद अकबर हुसैन 2017 से 2020 तक मेजर जनरल मोहम्मद सैफुल 2020-21 में मेरे जनरल मोहम्मद सैफुल आलम और 2021 से शेख हसीना के हटने तक मेजर जनरल अहमद तबरेज चौधरी के हाथ में कमान थी। इन चारों के नीचे एक-एक ब्रिगेडियर जनरल भी तैनात था। इन अधिकारियों की गिरफ्तारी को लेकर अब सेना में दो गुट बन गए हैं। इनमें से एक गुट का कहना है कि इन अधिकारियों ने जो कुछ भी किया वह सरकार के कहने पर किया। इसकी क्या गारंटी है कि अब जो हुक्म दिया जाएगा, उसका पालन करने पर आने वाली निर्वाचित नई सरकार इसके लिए उन्हें दंडित नहीं करेगी लिहाजा किसी भी सैन्य अधिकारी की गिरफ्तारी न की जाए।

मस्जिद अल-अक्सा में यहूदियों के साथ घुसे इजराइली मंत्री

सऊदी अरब ने दी चेतावनी-धार्मिक पवित्रता का सम्मान करें, वरना...

दुबई, 14 अगस्त (एजेंसियां)। हमास से जंग लड़ रहे इजराइल ने अब ऐसी हरकत कर दी है जिसे लेकर सऊदी अरब भड़क गया है। फिलिस्तीन और इजरायल के बीच विवाद का केंद्र मस्जिद अल-अक्सा में इजराइली के मंत्री और सैकड़ों इजरायलियों के साथ मस्जिद परिसर में घुस गए। इसे लेकर सऊदी अरब इजरायल पर भड़क गया है और अमेरिका ने भी इसे इजराइल का गलत कदम बताया है और कहा कि यह अस्वीकार्य है।

यहूदी शोक दिवस मना रहे थे और इजरायल के धुर-दक्षिणपंथी नेता और राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के मंत्री इत्तेमार बेन गिविर ने शोक दिवस मनाने के लिए मस्जिद परिसर में प्रवेश किया। यहूदियों के प्राचीन मंदिर पर 70 ईसा पूर्व में रोमनों ने हमला कर उसे तोड़ दिया था जिसकी याद में शोक दिवस मनाया जाता है। सऊदी अरब ने इजरायली मंत्री के अल-अक्सा मस्जिद में प्रवेश करने को हमला बताया है और इसकी कड़ी निंदा की है। सऊदी अरब ने कहा है कि यरूशलेम की इस ऐतिहासिक मस्जिद की यथास्थिति का सम्मान किया जाना चाहिए।

सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि इजरायली कब्जे वाले अधिकारियों और वहां जाने वालों का अल-अक्सा मस्जिद पर खुलेआम और लगातार हमले की कड़ी शब्दों में निंदा करता है। बयान में धार्मिक पवित्रता का सम्मान करने पर जोर दिया गया है साथ ही सऊदी अरब ने चेतावनी दी कि अंतरराष्ट्रीय कानून और यरूशलेम की ऐतिहासिक यथास्थिति का उल्लंघन और दुनिया भर के करोड़ों मुसलमानों को उकसाने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। सऊदी विदेश मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आह्वान किया कि इजरायल की तरफ से लगातार हो रहे इन उल्लंघनों को रोकने के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाए नहीं तो इसके परिणाम बहुत भयानक होंगे।

अल अक्सा मस्जिद मुसलमानों के लिए अल-हराम अल शरीफ के नाम से मशहूर इस्लाम के तीसरे सबसे पवित्र स्थल में से एक है। मस्जिद परिसर में डोम ऑफ द रॉक भी शामिल है। इजरायली मस्जिद परिसर को टेंपल माउंट कहते हैं और यह स्थल यहूदियों के लिए सबसे पवित्र जगह है। मस्जिद परिसर में यहूदियों और अन्य गैर-मुसलमानों को जाने की अनुमति तो है लेकिन वहां जाकर प्रार्थना नहीं कर सकते या फिर कोई भी धार्मिक प्रतीक प्रदर्शित नहीं कर सकते हैं लेकिन हाल के सालों में बेन गिविर जैसे धुर-दक्षिणपंथी राष्ट्रवादी नेताओं ने इन प्रतिबंधों का उल्लंघन किया है। इन उल्लंघनों की वजह से फिलिस्तीनियों की हिंसक प्रतिक्रियाएं देखने को मिलती रही हैं।

जॉर्डन पर अल-अक्सा मस्जिद की सुरक्षा की जिम्मेदारी है। बेन गिविर के मस्जिद परिसर में प्रवेश पर जॉर्डन ने भी कड़ी आपत्ति जताई है। जॉर्डन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यरूशलेम की ऐतिहासिक और कानूनी यथास्थिति के लगातार उल्लंघन के लिए एक स्पष्ट और दृढ़ अंतरराष्ट्रीय स्थिति की जरूरत है जो इन उल्लंघनों की निंदा करे।

इजरायल के दोस्त अमेरिका ने भी इजरायली की इस हरकत को गलत बताया है कहा कह यह अस्वीकार्य है। अमेरिका विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका यरूशलेम के पवित्र स्थलों के संबंध में ऐतिहासिक यथास्थिति को बचाने के लिए मजबूती से खड़ा है।

इस तरह की कोई भी एकतरफा कार्रवाई जो यथास्थिति को खतरे में डालती है, स्वीकार नहीं की जाएगी। हम युद्धविराम समझौते को अंतिम रूप देने के लिए काम कर रहे हैं, ऐसे में यह कदम समझौते में भी बाधा डालत सकता है।

चीफ ने पीड़ित हिंदू समुदाय से की मुलाकात

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमला करने वालों को करेंगे दंडित : मोहम्मद यूनुस

ढाका, 14 अगस्त। (एजेंसियां)। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने मंगलवार को कहा है कि सरकार अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हमला करने वालों को दंडित करेगी। मुख्य सलाहकार ने यह आश्वासन प्राचीन ढाकेश्वरी मंदिर के दौरे के समय पीड़ित हिंदू समुदाय से मुलाकात में की। उन्होंने हिंदुओं से धैर्य बनाए रखने का आग्रह किया और आश्वासन दिया कि उनकी सुरक्षा की जाएगी।

अर्थशास्त्री (84 वर्षीय) ने जारी हिंसा और तोड़फोड़ के बीच आठ अगस्त को अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में कार्यभार संभाला था। उन्होंने ढाका में प्रमुख शक्तिपीठों में से एक ढाकेश्वरी मंदिर का दौरा किया और कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के अधिकार सुनिश्चित किए जाने चाहिए। यूनुस ने देश की दुर्दशा के लिए ''संस्थागत पतन''को जिम्मेदार ठहराया।

उनका दौरा ऐसे समय हुआ जब बांग्लादेश नेशनल हिंदू ग्रैंड अलायंस(बीएनएचजीए) ने कहा है कि पांच अगस्त को शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के बाद से अल्पसंख्यक समुदाय को 48

अंतरिम सरकार के सलाहकार भी थे मौजूद

जिलों में 278 स्थानों पर हमलों और धमकियों का सामना करना पड़ा है और इसे ''हिंदू धर्म पर हमला'' करार दिया। युनूस ने कहा, अधिकार सबके लिए समान हैं। हम सब एक ही व्यक्ति हैं और हमारे पास एक ही अधिकार है। हमारे बीच कोई भेदभाव न करें। कृपया हमारी सहायता करें। धैर्य रखें और बाद में आकलन करें - हम क्या कर पाए और क्या नहीं। अगर हम असफल होते हैं, तो हमारी आलोचना करें।

युनूस ने कहा, हमारी लोकतांत्रिक आकांक्षाओं में हमें मुसलमान, हिंदू या बौद्ध नहीं बल्कि इंसान के रूप में देखा जाना चाहिए। हमारे अधिकार सुनिश्चित होने चाहिए। सभी समस्याओं की जड़ संस्थागत व्यवस्थाओं के क्षय में है। इसीलिए ऐसे मुद्दे उठते हैं। संस्थागत व्यवस्था को दुरुस्त करने की जरूरत है। उस समय प्रोफेसर यूनुस के साथ विधि सलाहकार आसिफ नजरुल और धार्मिक मामलों के सलाहकार एएफएम खालिद हुसैन भी थे।

हम पर किसी ने हमला किया तो देंगे मुंहतोड़ जवाब : असीम मुनीर

इस्लामाबाद, 14 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने धमकी दी है कि अगर उनके देश पर किसी भी तरह का हमला हुआ तो पाकिस्तान उसका मुंह तोड़ जवाब देगा और जवाबी कार्रवाई दूर तक जाएगी। हमारे खिलाफ चाहे जो भी बहुस्तरीय और बहुआयामी खतरा हो, हम एकजुट और आश्वस्त हैं। हमारे खिलाफ युद्ध का जो भी तरीका इस्तेमाल किया जाएगा उसके खिलाफ हमारी जवाबी कार्रवाई तुरंत और खतरनाक होगी। हम निश्चित रूप से दूर तक और गहराई से हमला करेंगे। मुनीर ने आजादी परेड को संबोधित करते हुए यह बात कही। पाकिस्तान बनने के 77 साल पूरे होने की परेड काकुल में पाकिस्तान सैन्य अकादमी में आयोजित की गई थी।

ऐसा माना जा रहा है कि यह धमकी सेना प्रमुख अपने तीन पड़ोसियों भारत, अफगानिस्तान और ईरान को दी है क्योंकि तीनों के साथ ही पाकिस्तान का विवाद चल रहा है। इसमें भी खास तौर से उनकी धमकी भारत के लिए है। मुनीर ने आगे कहा कि हम जानते हैं कि आजादी मुफ्त में नहीं मिलती है और इसके लिए कई बहादुर बेटे-बेटियां हमेशा अपनी जान देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें यकीन है कि पाकिस्तान के लोग और उसके सुरक्षा बल कभी पीछे नहीं हटेंगे और किसी को भी देश पर बुरी नजर नहीं डालने देंगे।

उन्होंने सुख-दुख के दौरान देश के साथ खड़े रहने के चीन, सऊदी अरब, यूएई, कतर और तुर्की का शुक्रिया अदा किया। क्षेत्रीय गतिशीलता को संबोधित करते हुए सेना प्रमुख ने अफगानिस्तान को भाईचारे वाले इस्लामी पड़ोसी के रूप में संदर्भित किया। उन्होंने इच्छा जताते हुए कहा कि हम अफगानिस्तान के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहते हैं। उन्हें हमारा संदेश है कि वह अपने भाईचारे वाले देश के खिलाफ फितना-उल-खवारिज को बढ़ावा नहीं देनी चाहिए। वह टीटीपी आतंकियों को शरण देने का जिक्र कर रहे थे। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी अफगान धरती से ऑपरेट हो रहे हैं।

मुनीर ने कश्मीर और फिलिस्तीन को लेकर चिंता जताई। उन्होंने भारत के कश्मीर का जिक्र करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों में निहित आत्मनिर्णय के उनके अधिकार के लिए हम उनके साथ मजबूती से खड़े हैं और कश्मीर के बहादुर लोगों को अपने पूर्ण राजनीतिक, राजनयिक और नैतिक समर्थन का आश्वासन देते हैं। उन्होंने लोगों से गाजा के लोगों के खिलाफ इजरायल के अत्याचारों की गंभीरता समझने का आह्वान किया।

नेपाली कांग्रेस की केंद्रीय समिति की बैठक में फिर गूंजा हिंदू राष्ट्र का मुद्दा

काठमांडू, 14 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल की प्रतिनिधि सभा में सर्वाधिक सदस्यों वाली पार्टी नेपाली कांग्रेस के भीतर एक बार फिर देश को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग उठने लगी है। पार्टी की केंद्रीय समिति की काठमांडू में जारी बैठक में कई सदस्यों ने नेपाल को जल्द ही हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग की है।

नेपाली कांग्रेस के मुख्यालय में जारी केंद्रीय समिति की बैठक में अधिकतर सदस्यों ने नेपाल के संविधान में संशोधन कर देश को हिंदू राष्ट्र घोषित किए जाने की मांग की। पार्टी नेताओं ने कहा कि सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते और सत्ता में सहभागी होने के नाते भी नेपाली कांग्रेस का यह फर्ज है कि वो हिंदू राष्ट्र घोषित करने को लेकर पहल करे। इन सदस्यों ने कहा कि नेपाल में बांग्लादेश जैसी परिस्थिति नहीं आने देने के लिए देश को हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाना चाहिए।

पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. शेखर कोईराला ने कहा कि बांग्लादेश में जिस तरह से हिंदू धर्मावलंबियों पर आक्रमण किए जा रहे हैं वह इस क्षेत्र के लिए चिंता का विषय है। नेपाल में इस तरह की परिस्थिति नहीं आए इसके लिए आवश्यक है कि देश को हिंदू राष्ट्र घोषित कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि पार्टी की महासमिति की बैठक में उपस्थित 1300 में से 1100 से अधिक सदस्यों ने हिंदू राष्ट्र की मांग के समर्थन में हस्ताक्षर किया था इसलिए केंद्रीय समिति की बैठक में उस प्रस्ताव को पारित किया जाना चाहिए।

केंद्रीय समिति के सदस्य शंकर भंडारी ने हिंदू राष्ट्र की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि इसकी घोषणा का यही सबसे उपयुक्त समय है। उन्होंने कहा कि देश में संविधान संशोधन की मांग उठाई जा रही है और इस समय दो तिहाई बहुमत वाली सरकार भी है जो संशोधन करने में सक्षम है। भंडारी ने कहा कि सरकार में सहभागी होने के नाते और सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते नेपाली कांग्रेस को तत्काल पहल करनी चाहिए।

हमास आज होने वाली शांति वार्ता से पीछे हटा

नेतन्याहू पर युद्ध लंबा खींचने का जड़ा आरोप

दोहा, 14 अगस्त (एजेंसियां)। इजराइल और कुख्यात आतंकवादी समूह हमास के बीच गाजा में छिड़े युद्ध से चिंतित दुनिया तमाम कोशिशों के बीच दोनों को शांत नहीं करा पा रही। इस दिशा में एक और कोशिश गुरुवार को कतर की राजधानी दोहा या मिस्र की राजधानी काहिरा में होने वाली है। अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थ देशों की इस संघर्ष विराम वार्ता या शांति वार्ता पर सबकी नजर है। मगर हमास ने साफ कर दिया है कि वह इस वार्ता में हिस्सा नहीं लेगा।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हमास के नेताओं को नहीं लगता कि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार अच्छे विश्वास के साथ बातचीत कर रही है। लेबनान में मौजूद हमास नेता अहमद अब्दुल हादी ने कहा है, नेतन्याहू को ऐसे समझौते पर पहुंचने में कोई दिलचस्पी नहीं है जो आक्रामकता को पूरी तरह से समाप्त कर दे। वह युद्ध को लंबा खींचना चाहते हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, हमास का यह निर्णय अच्छा संकेत नहीं है। बावजूद इसके उसने सौदेबाजी की मेज को पूरी तरह से छोड़ा नहीं है।

पूरे युद्ध के दौरान हमास नेताओं ने सीधे तौर पर इजराइली अधिकारियों से मुलाकात जरूर नहीं की पर मध्यस्थ के रूप में कार्य करने के लिए कतर और मिस्र पर भरोसा किया। इस समय भी हमास के कई प्रमुख नेता कतर में हैं। वह दोहा में मध्यस्थों के कार्यालयों से थोड़ी ही दूर पर रह रहे हैं। इस बीच इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने हमास नेता के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने शांति वार्ता में गतिरोध के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि इजराइल वार्ता के लिए प्रतिनिधि भेजेगा।

सूत्रों के अनुसार, हमास के इस शांति वार्ता में हिस्सा न लेने के फैसले से अब यह तय नहीं है कि बैठक में मिस्र, इज़राइल और संयुक्त राज्य अमेरिका के शीर्ष खुफिया अधिकारियों के साथ-साथ कतर के प्रधानमंत्री शामिल होंगे या नहीं।

अमेरिका इजराइल को एफ-15 लड़ाकू जेट और हजारों टैंक और मोर्टार गोले देगा

वॉशिंगटन। हमास से युद्ध लड़ रहे इजरायल को अमेरिका अपने प्रमुख हथियार देगा। इसके लिए जो बाइडन प्रशासन ने इजरायल को 20 बिलियन डॉलर से ज्यादा के प्रमुख हथियारों की बिक्री को मंजूरी दे दी है। इसमें नए एफ-15 लड़ाकू जेट और हजारों टैंक और मोर्टार गोले शामिल है। हालांकि ऐसा नहीं है कि जो हथियार अमेरिका दे रहा वह इजराइल तुरंत ही गाजा में इस्तेमाल करेगा। बल्कि यह दीर्घकालिक बिक्री सौदे हैं, जिनकी डिलीवरी कई सालों बाद इजरायल को मिलेगी लेकिन इजरायली अधिकारियों ने कहा है कि अमेरिकी की यह घोषणा ईरान और हिजबुल्लाह को संदेश है, क्योंकि वे इजरायल पर हमले की धमकी दे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि सौदों की घोषणा तब की जाएगी जब वह पूरी तरह तैयार होंगे लेकिन उन्होंने माना कि अमेरिका की यह घोषणा बेहद खास है। यह क्षेत्र में बढ़े तनाव के बीच इजरायल को सीधा समर्थन देना दर्शाता है। अमेरिका की ओर से हथियारों की बिक्री की मंजूरी में सबसे अहम सौदा 50 एफ-15आईए लड़ाकू विमानों की बिक्री और पहले से सेना में मौजूद 25एफ-15आई लाड़ाकू विमानों का अपग्रेड शामिल है। यह सौदा 18.8 अरब डॉलर का है। व्हाइट हाउस ने कहा कि हथियारों की बिक्री उसकी दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए जरूरी है। ये सौदे राष्ट्रपति चुनावों से पहले रिपब्लिकन के उन दावों का भी खंडन करता है, जिसके मुताबिक बाइडन-हैरिस प्रशासन इजरायल को हथियारों की आपूर्ति नहीं करता।

Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 15 अगस्त, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 12+8 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-6 | अंक-227

बांग्लादेशियों और रोहिंग्या घुसपैठियों के लिए यूपी में 'सुविधा-केंद्र'

आइये नागरिकता प्रमाण पत्र ले जाइये...

लखनऊ, 14 अगस्त (एजेंसियां)। राहुल गांधी के संसदीय क्षेत्र रायबरेली से बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को भारत की नागरिकता का फर्जी प्रमाण पत्र बांटा जा रहा था। अब हाथरस भी फर्जी नागरिकता प्रमाण पत्र बांटने के बड़े केंद्र के बतौर सामने आया है। रायबरेली और हाथरस से न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के लिए फर्जी प्रमाण पत्र दिए जा रहे थे। रायबरेली के सलोन में फर्जी प्रमाण पत्र का अड्डा उजागर होने के बाद अब हाथरस के हसायन विकास खंड की ग्राम पंचायत सिंचावली सानी में भी ऐसा ही एक ठिकाना उजागर हुआ। यहां बीडीओ के यूजर आईडी से पिछले 19 महीने में उत्तर प्रदेश के 47 जिलों समेत देश के छह राज्यों के लिए फर्जी जन्म प्रमाण पत्र जारी किए गए। प्रशासन का कहना है कि अभी इस प्रकार के 814 मामले सामने आए हैं, लेकिन इनकी संख्या बढ़ सकती है। हाथरस के जिलाधिकारी ने इस मामले की जांच का आदेश दिया है। जनपद के सभी ब्लॉकों में जांच के आदेश दिए गए हैं। सिंचावली के ग्राम पंचायत अधिकारी ईश्वरचंद्र हैं। ईश्वरचंद्र को ग्राम पंचायत की सीआरएस (नागरिक पंजीकरण प्रणाली) आईडी 3 अगस्त को जारी हुई। लेकिन उनकी आईडी पर एक जनवरी 2023 से 2 अगस्त 2024 के बीच करीब 814 जन्म प्रमाण पत्र पहले ही जारी हो चुके थे। इसके बाद तत्काल विभागीय अफसरों को इसकी जानकारी दी दी गई। ▶4 पर

रायबरेली के बाद हाथरस दूसरा बड़ा ठिकाना उजागर

देशभर में घुसपैठियों को यहीं से मिल रहा सर्टिफिकेट

राष्ट्रपति मुर्मु ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को किया संबोधित

समाज में कलह पैदा करने वाली प्रवृतियों को खारिज करना होगा

नई दिल्ली 14 अगस्त (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भारत जैसे विशाल देश में ऊंच-नीच की धारणा के आधार पर कलह पैदा करने वाली प्रवृतियों को खारिज करने का पुरजोर आह्वान करते हुए कहा कि सामाजिक न्याय सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और देश में सामाजिक लोकतंत्र निरंतर मजबूत हो रहा है।

श्रीमती मुर्मु ने बुधवार को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा, अपनी विविधताओं और बहुलताओं के साथ, हम एक राष्ट्र के रूप में, एकजुट होकर, एक साथ, आगे बढ़ रहे हैं। समावेश के साधन के रूप में, सकारात्मक कदमों को मजबूत किया जाना चाहिए। मैं दृढ़ता के साथ यह मानती हूं कि भारत जैसे विशाल देश में, कथित सामाजिक स्तरों के आधार पर कलह को बढ़ावा देने वाली प्रवृत्तियों को खारिज करना होगा।

सामाजिक न्याय सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

देश में सामाजिक लोकतंत्र निरंतर मजबूत हो रहा

राष्ट्रपति ने डॉक्टर बी.आर. आंबेडकर को उद्धृत करते हुए कहा, हमें अपने राजनीतिक लोकतंत्र को सामाजिक लोकतंत्र भी बनाना चाहिए। राजनीतिक लोकतंत्र तब तक नहीं टिक सकता जब तक कि उसके आधार में सामाजिक लोकतंत्र न हो। उन्होंने कहा कि भारत में राजनीतिक लोकतंत्र ने निरंतर प्रगति की है और इस बात की पुष्टि करता है कि देश में सामाजिक लोकतंत्र मजबूत हुआ है। श्रीमती मुर्मु ने कहा, समावेशी भावना, हमारे सामाजिक जीवन के हर पहलू में दिखाई देती है। सामाजिक न्याय सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार ने अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और समाज के अन्य हाशिए के वर्गों ▶4 पर

प्रधानमंत्री कर रहे हर घर तिरंगा फहराने का आह्वान

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का तिरंगा विरोधी फरमान

तिरंगा फहराने के लिए लोगों को क्यों लेना पड़े आदेश: हाईकोर्ट

चेन्नई, 14 अगस्त (एजेंसियां)।

देश के प्रति आत्मगौरव जगाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वतंत्रता दिवस पर हर घर तिरंगा फहराने का आह्वान कर रहे हैं। कई प्रदेशों में तिरंगा रैलियां निकल रही हैं, तिरंगा सभाएं हो रही हैं, लेकिन तमिलनाडु सरकार खुलेआम देशद्रोह पर आमादा है। तमिलनाडु में तिरंगा रैली निकालने या तिरंगा सभा करने की सरकार ने मनाही कर रखी है। लोगों को विवश होकर हाईकोर्ट जाना पड़ा। मद्रास हाईकोर्ट ने तिरंगा रैली निकालने की इजाजत दी है और तमिलनाडु सरकार को बुरी तरह फटकारा है। मद्रास हाईकोर्ट ने बुधवार 14 अगस्त 2024 को अपने दिए फैसले में आम नागरिकों और भाजपा कार्यकर्ताओं को स्वतंत्रता दिवस पर पूरे तमिलनाडु में राष्ट्रीय ध्वज के साथ बाइक रैली निकालने की अनुमति दे दी। कोर्ट ने कहा कि तिरंगा रैली की अनुमति नहीं देना देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके सरकार ने इसकी अनुमति देने से मना कर दिया था। न्यायाधीश जी जयचंद्रन ने तमिलनाडु सरकार से पूछा, नागरिकों को ▶4 पर

मद्रास हाईकोर्ट ने सरकार को फटकारा तिरंगा रैली की इजाजत दी

शुभ लाभ DAILY

केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली

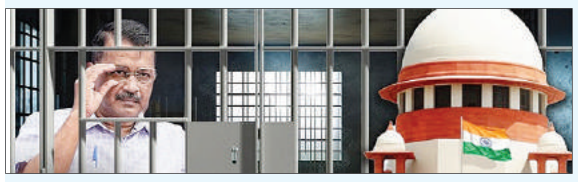

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कथित आबकारी नीति घोटाले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज भ्रष्टाचार मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने से इन्कार कर दिया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने सीबीआई की ओर से केजरीवाल की गिरफ्तारी को बरकरार रखने के दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ उनकी याचिका पर जांच एजेंसी को नोटिस जारी किया। पीठ ने केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी से कहा कि हम कोई अंतरिम जमानत नहीं दे रहे हैं। हम नोटिस जारी करेंगे। इस मामले पर अगली सुनवाई के लिए 23 अगस्त की तारीख तय की गई है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को नोटिस जारी किया। दरअसल, सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से कोई भी कोर्ट में उपस्थित नहीं था। दरअसल, केजरीवाल ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई की ओर से उनकी गिरफ्तारी को बरकरार रखने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए जमानत अंतरिम मांगी है। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई से 23 अगस्त तक जवाब मांगा है और उन्हें अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है।दिल्ली उच्च न्यायालय ने सीबीआई द्वारा की गई गिरफ्तारी को वैध ठहराते हुए 5 अगस्त को मुख्यमंत्री की गियाचिका को खारिज कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि सीबीआई की कार्रवाई गलत नहीं है। क्योंकि मुख्यमंत्री रहते हुए आप गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े सीबीआई के मामले में केजरीवाल की न्यायिक हिरासत राउज एवेन्यू कोर्ट ने 20 अगस्त तक बढ़ाई है।

अयोध्या में भक्ति और गौरव पर लगातार पोत रहे कालिख

चुनावी चमत्कार के बाद अब चोरी-भ्रष्टाचार पर उतारू

रामपथ और भक्तिपथ पर लगी बेशकीमती लाइटें गायब!

अयोध्या, 14 अगस्त (एजेंसियां)। पांच सौ वर्ष से भी अधिक पुराने संघर्षों से उबार कर जिस धर्म नगरी को दोबारा गौरव वापस दिलाया गया, वह शहर लगातार अपने चेहरे पर कालिख पोत रहा है। राम मंदिर के साथ-साथ पूरे अयोध्या का सौंदर्यीकरण भी चल रहा है लेकिन उस सौंदर्यीकरण में भी लूटमार और चोरी बटमारी चल रही है। अब अयोध्या में भक्तिपथ और रामपथ पर लाखों की 3800 बैम्बू और 36 गोबो प्रोजेक्टर लाइटों के चोरी होने का मामला सामने आया है। ये लाइटें राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के दौरान अयोध्या की साज-सज्जा के लिए लगाई गई थीं। ठेकेदार ने थाने में तहरीर दी है कि आधी से ज्यादा लाइटें चोरी हो गई हैं। जबकि इस मामले में प्रशासन ने कहा है कि संभवतः ये लाइटें लगाई ही नहीं गईं। अब आप सोचिए कि प्रशासन इतनी भी सतर्क नहीं है कि उसे पता ही नहीं कि सरकारी धन पर

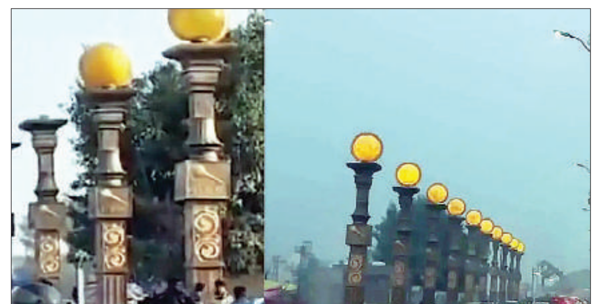

कमिश्नर का विचित्र बयान: पता नहीं लाइटें लगी थी या नहीं

लगने वाली लाइटें निर्धारित स्थान पर लगी या नहीं।

योगी सरकार की ओर से अयोध्या को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने की योजना के तहत मठ-मंदिर और प्रमुख सड़कों के किनारे आकर्षक लाइटें लगाई गई थीं। पर्यटक स्थलों की इस खूबसूरती पर अयोध्या के लोगों ने हाथ साफ कर दिया। अयोध्या विकास प्राधिकरण ने यश इंटरप्राइजेज और कृष्णा ऑटोमोबाइल को रामपथ और भक्ति पथ पर लाइटें लगाने का ठेका दिया था। इसके तहत नया घाट, हनुमान गढ़ी और टेढ़ी बाजार पर लगभग 6400 बैम्बू और 96 गोबो प्रोजेक्टर लाइटें लगाई गई थीं। अब वह लाइटें वहां से गायब हैं। अयोध्या प्रशासन इस शर्मनाक घटना की टोपी संबंधित ठेकेदार को ही पहनाने और अपने आपको बचाने में लगा है। राम पथ पर लगी बेशकीमती फैंसी लाइटों की चोरी की रिपोर्ट पर जिला प्रशासन ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि कड़ी सुरक्षा के कारण बड़े पैमाने पर चोरी की संभावना नहीं है। डिविजनल कमिश्नर गौरव दयाल ने कहा, संभावना यह है कि लाइटें कभी लगाई ही नहीं गईं। उन्होंने कहा, यह संभव ही नहीं है कि इतनी लाइटें लगाई गई हों। लाइट चोरी होना असंभव बात है। वैसे, यह ठेकेदार की जिम्मेदारी है कि वह इन लाइटों की देखरेख करे। यह है कमिश्नर गौरव दयाल का हास्यास्पद और बेवकूफाना बयान।

दूसरी तरफ लाइटें लगाने वाले फर्म यश इंटरप्राइजेज के प्रतिनिधि शेखर शर्मा ने कहा, रामपथ और भक्तिपथ पर लगाई गईं 3800 बैम्बू और 36 गोबो लाइट चोरी हो गई हैं, जिसको लेकर राम जन्मभूमि थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। शिकायत में कहा गया है कि 19 मार्च तक सभी लाइटें लगा दी गई थीं। बाद में मालूम चला कि काफी लाइटें गायब हैं। जब इसकी भौतिक जांच पड़ताल की गई तो 3800 बैम्बू और 36 गोबो लाइटें गायब मिलीं।

पंचायत चुनाव में भाजपा ने जीती 97 प्रतिशत सीटें

71 प्रतिशत सीटें तो निर्विरोध जीत गई भाजपा

अगरतला, 14 अगस्त (एजेंसियां)। त्रिपुरा में स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा ने जबरदस्त जीत ने हासिल की है। गृह मंत्री अमित शाह, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने स्थानीय निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक जीत के लिए त्रिपुरा के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। पंचायत चुनाव में भाजपा ने जीतीं 97 प्रतिशत सीटें जीती हैं।

भाजपा ने ग्राम पंचायतों, पंचायत समितियों और जिला परिषदों की 71 प्रतिशत सीटों पर निर्विरोध जीत हासिल की। शेष 29 प्रतिशत सीटों के लिए मतदान हाल ही में आठ अगस्त को हुआ था और मतगणना मंगलवार को समाप्त हो गई। त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में, सत्तारूढ़ भाजपा ने राज्य के कई निर्वाचन क्षेत्रों में निर्णायक जीत हासिल की है। भाजपा ने कई वार्डों में जीत दर्ज करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। भाजपा ने 35 में से 34 पंचायत समितियों में शानदार जीत हासिल की। पार्टी ने सभी आठ जिला परिषदों में जीत हासिल की और 606 ग्राम पंचायतों में से 584 पर जीत हासिल की। इससे पहले पार्टी ने जून में पूर्वोत्तर राज्य में दोनों लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की थी।

राज्य निर्वाचन आयुक्त असित कुमार दास ने बताया कि आठ जिला परिषदों में 96 सीटों पर चुनाव लड़े थे, जिनमें से भाजपा ने 93 सीटें जीतीं। जबकि कांग्रेस और माकपा ने क्रमशः दो और एक सीट पर जीत दर्ज की। पंचायत समितियों के मामले राज्य की पार्टी ने कुल 188 सीटों में से 173 सीटें जीतीं, जहां मतदान हुआ था। माकपा और कांग्रेस को क्रमशः छह और आठ सीटें मिली थीं। दास ने कहा कि भाजपा ने 1,819 ग्राम पंचायतों की सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिसमें से 1,476 पर जीत दर्ज की गई। माकपा, कांग्रेस और तिपरा मोथा को क्रमशः 148, 151 और 24 सीटें मिली थीं।

विपक्षी दलों ने हालांकि कहा कि वे सत्तारूढ़ दल की कथित आतंकी रणनीति के कारण 71 प्रतिशत सीटों पर उम्मीदवार नहीं उतार सके। वहीं, भाजपा नेताओं ने पंचायत चुनाव में पार्टी में विश्वास जताने के लिए लोगों को धन्यवाद दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा को ऐतिहासिक जीत दिलाने के लिए त्रिपुरा के लोगों का हार्दिक आभार। यह जीत उन्हीं लोगों की है।

इसके अलावा उन्होंने त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, राज्य भाजपा अध्यक्ष राजीव भट्टाचार्य और भाजपा कार्यकर्ताओं को जनादेश के लिए बधाई दी। शाह ने कहा, मैं मुख्यमंत्री माणिक साहा, राज्य भाजपा अध्यक्ष राजीव भट्टाचार्य और हमारे कार्यकर्ताओं को पीएम मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की विकासोन्मुखी जन-पहल को लोगों तक ले जाने के उनके अथक प्रयासों के लिए बधाई देता हूं।इससे पहले त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने ग्राम पंचायतों, जिला परिषदों, पंचायत समितियों में जीत के लिए मतदाताओं को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों, जिला परिषदों और पंचायत समितियों में मिली प्रचंड जीत के लिए मतदाताओं का बहुत-बहुत धन्यवाद! आपका भरोसा हमारे लिए काफी अहम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को उनके दूरदर्शी मार्गदर्शन के लिए अटूट समर्थन के लिए तहे दिल से आभार।

हाल ही में आठ अगस्त को हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में, सत्तारूढ़ भाजपा ने राज्य के कई निर्वाचन क्षेत्रों में निर्णायक जीत हासिल की है। भाजपा ने कई वार्डों में जीत दर्ज करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। भाजपा ने 34 पंचायत समितियों में शानदार जीत हासिल की। पार्टी ने सभी आठ जिला परिषदों में जीत हासिल की और 606 ग्राम पंचायतों में से 585 पर जीत हासिल की। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, पंचायत चुनावों में भाजपा को चुनने के लिए मैं त्रिपुरा के लोगों को धन्यवाद देता हूं। यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047फ का दृष्टिकोण त्रिपुरा के लोगों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह जीत मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा की लगातार कोशिशों से राज्य की प्रगति और समृद्धि सुनिश्चित करने का प्रमाण है। यह जीत राज्य की प्रगति और समृद्धि सुनिश्चित करने में मुख्यमंत्री साहा के निरंतर प्रयासों का प्रमाण है। मैं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव भट्टाचार्य और भाजपा त्रिपुरा कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों की भी सराहना करता हूं, जिन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के सबका साथ सबका विकास के संदेश को परिश्रमपूर्वक हर घर तक पहुंचाया और यह सुनिश्चित किया कि समावेशी विकास का दृष्टिकोण त्रिपुरा के सभी कोनों तक पहुंचे।

डॉक्टर की बलात्कार के बाद हत्या का मामला

सीबीआई ने शुरू की मामले की जांच

सीबीआई की विशेष टीम दिल्ली से कोलकाता पहुंची

घटना के खिलाफ बंगाल के अस्पतालों में काम बंद

कोलकाता, 14 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला से दुष्कर्म और हत्या मामले में सीबीआई ने जांच शुरू कर दी है। जांच एजेंसी में सीबीआई ने नई एफआईआर दर्ज की है। इसके मद्देनजर सीबीआई की दिल्ली से एक टीम मामले कोलकाता पहुंची। सीबीआई ने दिल्ली से एक विशेष चिकित्सा और फोरेंसिक टीम भेजी है। कोलकाता पहुंचने के बाद टीम सबसे पहले न्यू टाउन राजारहाट

में बीएसएफ-दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के अधिकारियों से मिलने पहुंची। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बीते दिन मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया था।

इस बीच पुलिस कोलकाता के सीजीओ कॉम्प्लेक्स में सीबीआई कार्यालय पहुंची। पुलिस अधिकारी मामले से संबंधित साक्ष्य और दस्तावेजों के साथ यहां पहुंचे हैं। आरोपी संजय रॉय को भी पुलिस यहां लेकर आई है। चिकित्सा अधिकारियों और फोरेंसिक टीम की एक विशेष टीम वारदात की जगह पर भी पहुंची है। इससे पहले केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने हत्याकांड की जांच मंगलवार को अपने हाथ में ले ली थी। एजेंसी ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के कुछ ही घंटों के अंदर सभी औपचारिकताएं पूरी कर लीं थीं। कोर्ट ने राज्य पुलिस को मामले के दस्तावेज केंद्रीय जांच एजेंसी को सौंपने का निर्देश दिया गया था। हाईकोर्ट ने राज्य पुलिस को बुधवार सुबह 10 बजे तक केस डायरी सीबीआई को सौंपने का निर्देश दिया था।

कोलकाता के सरकारी आरजी कर अस्पताल के सभागार में कथित तौर पर बलात्कार और हत्या की शिकार हुई स्नातकोत्तर प्रशिक्षु का शव शुक्रवार सुबह बरामद किया गया। इस सिलसिले में शनिवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था। पीड़िता के माता-पिता ने मामले की जांच अदालत की निगरानी में कराने की मांग करते हुए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सीबीआई जांच की मांग को लेकर कई अन्य जनहित याचिकाएं भी दायर की गई थीं। प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला है कि मृतका का यौन उत्पीड़न किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। पीड़िता की आंखों, मुंह और निजी अंगों से खून बह रहा था। उसके बाएं पैर, गर्दन, दाहिने हाथ, और होठों पर भी चोटें लगीं थीं।

कोलकाता पुलिस ने मामले में 33 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। वह 2019 में एक नागरिक स्वयंसेवक के रूप में कोलकाता पुलिस में शामिल हुआ था। आरोपी एक प्रशिक्षित मुक्केबाज है और वह पिछले कुछ वर्षों में कुछ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के करीब आ गया था। इसके बाद उसे कोलकाता पुलिस कल्याण बोर्ड में स्थानांतरित कर दिया गया और आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पुलिस चौकी में तैनात कर दिया गया।

बंगाल के अस्पतालों में डॉक्टरों ने किया काम बंद

कोलकाता, 14 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या के विरोध में डॉक्टर्स ने काम बंद रखने का ऐलान किया है। इसके चलते बुधवार को पश्चिम बंगाल में लगभग सभी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हैं और इससे आम जनता को खासी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। सभी सरकारी अस्पतालों के बाह्य रोगी विभागों (ओपीडी) के टिकट काउंटरों पर लंबी कतारें देखी जा रही हैं। जूनियर डॉक्टरों के साथ ही वरिष्ठ डॉक्टर्स भी विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। एक डॉक्टर ने बताया कि हमारी कोई नई मांग नहीं है। हमने देखा है कि लोगों को बचाने का प्रयास किया गया है। कुछ लोगों ने आरजी कर अस्पताल की उसी मंजिल पर निर्माण कार्य शुरू करके सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश की है, जहां हमारी बहन से दुष्कर्म और उसकी हत्या की गई थी। हमें अपना विरोध बंद करने का कोई कारण नहीं दिखता। पश्चिम बंगाल डॉक्टरों के संयुक्त मंच ने राज्य के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों के बाह्य रोगी विभागों (ओपीडी) में काम बंद करने का आह्वान किया था। प्रदर्शन के दौरान जूनियर और सीनियर डॉक्टर, इंटर्न और हाउस स्टाफ अपनी बांहों पर काली पट्टी बांधे और महिला डॉक्टर के लिए न्याय की मांग करते हुए नारे लगाते देखे गए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि आपातकालीन सेवाएं चालू हैं। लेकिन जब तक हम विरोध नहीं करेंगे, पीड़िता को न्याय नहीं मिलेगा। कुछ मरीजों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है।महिला डॉक्टर की हत्या की मजिस्ट्रेट जांच की मांग कर रहे आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टरों ने मंगलवार को कोलकाता पुलिस को अपनी जांच पूरी करने के लिए 14 अगस्त की समयसीमा तय की थी।

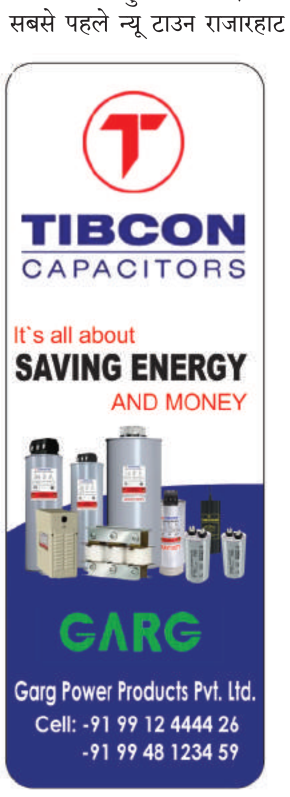

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36^0
न्यूनतम : 27^0

पृष्ठ 3 का शेष

आइये...

जिला प्रशासन का कहना है कि पंचायत की आईडी से यह सब कैसे हुआ है। यह किसी हैकर का काम है या फिर किसी ने आईडी का दुरुपयोग किया है। जांच के बाद ही सच सामने आएगा। पंचायत सचिव की आईडी हस्तांतरण से पहले जन्म प्रमाण पत्र जारी होते रहे। किसी को इसकी भनक तक न लगी। ये अपने आप में गंभीर सवाल है। जबकि जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने संबंधी सीआरएस पोर्टल की निगरानी का जिम्मा जिला स्तर पर स्वास्थ्य विभाग के पास है। ताजा फर्जीवाड़े में तो आईडी पंचायत सचिव तक पहुंची ही नहीं थी। उससे पहले प्रमाण पत्र जारी हो गए।

इसी तरह रायबरेली के सलोन विकासखंड में जन सुविधा केंद्र के संचालक ने ग्राम विकास अधिकारी की आईडी से बड़ी संख्या में फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बना दिए थे। जांच में फर्जी प्रमाण पत्र के करीब 20 हजार मामले सामने आए थे। इनमें से कई प्रमाण पत्र पीएफआई, रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों से जुड़े होने की शिकायत भी सामने आई थी। मामले में यूपी एटीएस सात लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

इस आईडी से सबसे ज्यादा प्रमाण पत्र मैनपुरी क्षेत्र के जारी हुए हैं। इससे यह अंदेशा लगाया जा रहा है कि यह आईडी मैनपुरी जिले में चल रही हैं। हालांकि अभी स्वास्थ्य विभाग की ओर से इस मामले में कोई कदम नहीं उठाया गया है। रायबरेली के इस अड्डे से बिहार के लिए 12, हरियाणा के लिए 4, झारखंड के लिए 13, कर्नाटक के लिए 1, मध्यप्रदेश के लिए 4 और उत्तर प्रदेश के लिए 780 फर्जी जन्म/नागरिकता प्रमाण पत्र जारी हुए थे। यह सब प्रमाण पत्र बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के लिए जारी किए गए थे।

रायबरेली के सलोन में बनाए गए करीब 20 हजार फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के लिए जारी हुए। तब यह मामला खुला कि यहां से घुसपैठियों को भारतीय नागरिकता दिलाने का षडयंत्र चल रहा था। इसके बदले जन सेवा केंद्र (सीएससी) संचालक जीशान खान, सुहेल और रियाज मोटी कमाई कर रहे थे। फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बांटने में रायबरेली स्थित सलोन के तार कर्नाटक, केरल और मुंबई से भी जुड़े हैं। कुछ दिनों पहले कर्नाटक पुलिस ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के एक आतंकी को दबोचा था। उसका जन्म प्रमाणपत्र भी रायबरेली से बना था। जांच के लिए टीम रायबरेली पहुंची तो धीरे-धीरे पूरा मामला खुलने लगा।

रायबरेली के सलोन से केवल मुसलमानों के ही फर्जी प्रमाणपत्र बनाए गए। इनमें 2023 में मुंबई में पकड़े गए चार बांग्लादेशियों के नाम भी शामिल हैं। इससे पहले जम्मू में भी पकड़े गए कुछ रोहिंग्या के पास यहां बने जन्म प्रमाणपत्र मिले थे। जांच में पता चला कि ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) विजय सिंह यादव की यूजर आईडी और पासवर्ड का प्रयोग कर सलोन निवासी सीएससी संचालक मोहम्मद जीशान, रियाज और सुहेल खान ने फर्जी प्रमाणपत्र बनाए। इस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर सभी को जेल भेज दिया।

सलोन और बांग्लादेशी-रोहिंग्या कनेक्शन का मामला नया नहीं है। रायबरेली जिला पहले भी घुसपैठियों और आतंकियों का सुरक्षित ठिकाना बला रहा। अब कानपुर और उन्नाव के रास्ते भी रोहिंग्या यहां आने लगे हैं। ऐसे में यहां की संवेदनशीलता बढ़ती जा रही है। करीब 20 हजार फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले ने रायबरेली को पूरे देश में चर्चा में ला दिया है। अभी तक की जांच में पता चला है कि पकड़ा गया सीएससी संचालक जीशान तो बस मोहरा मात्र है। असल वजीर कोई और है, जिसकी शह पर सारा खेल हुआ है।

रायबरेली 90 के दशक में लश्कर-ए-तैयबा, हिजबुल मुजाहिदीन और डी-2 गैंग का सेफ जोन रहा है। 1992 में आतंकी अब्दुल करीम टुंडा रायबरेली आया था। इसी तरह हिजबुल मुजाहिद्दीन का एरिया कमांडर बिलाल अहमद भी रायबरेली के खिन्नी तल्ला में शरण ले चुका था। रायबरेली की खुफिया एजेंसी इस दौरान इन दोनों को नहीं ढूंढ़ सकी। उनके पनाहगार कौन थे? इस पर जिम्मेदारों ने चुप्पी साध ली। कभी कार्रवाई की जहमत नहीं उठाई।

सलोन क्षेत्र हमेशा से संवेदनशील रहा है। कमजोर खुफिया तंत्र का फायदा उठाकर कानपुर से उन्नाव और सलोन में लश्कर-ए-तैयबा का कमांडर इमरान अंसारी सक्रिय रहा। किसी तरह से एटीएस ने उसे 2006 में पकड़ा, लेकिन इमरान को पनाह किसने दी? इसकी पड़ताल नहीं हो सकी। इसी तरह बछरावां डी-2 गैंग का सेंटर रहा है। जब मुंबई में डी-2 गैंग का असर कम हुआ तो कानपुर के डी-39 गैंग के सदस्यों ने यहां पैर जमा लिए। खुफिया विभाग को इसकी भनक तक नहीं लगी।

आतंकियों को लिए प्रदेश में कानपुर कमांड सेंटर सरीखा रहा है। कानपुर में नई सड़क, बेकनगंज, फेथफुलगंज, तलाकमोहाल, बजरिया, मूलगंज ऐसे इलाके हैं, जहां पर दाउद और टाइगर मेनन जैसे आंतकियों के कनेक्शन रहे हैं। 90 के दशक से ही कानपुर से दाउद के गुर्गों ने उन्नाव की ओर रुख किया और शुक्लागंज से कटरी के गांवों में पैठ बनाई। समय जैसे-जैसे बीता तो कानपुर का जाजमऊ घुसपैठियों का बड़ा सेंटर बना। राजनीतिक सरपरस्ती ने भी इनका काम आसान किया। जाजमऊ से शुक्लागंज होते हुए बांग्लादेशियों और रोहिंग्या ने उन्नाव शहर में भी अपने रिहाइश का इंतजाम कर लिया। 2021 में एसटीएफ ने रोहिंग्या की घुसपैठ की आंशका में उन्नाव नगर पालिका के दस्तावेजों को खंगाला, जिसमें अहम जानकारी हाथ लगी थी। उन्नाव के रास्ते खीरों होते हुए घुसपैठिए बिना किसी रोक के रायबरेली में पैर जमाने में लगे हैं। सलोन फर्जी प्रमाणपत्र प्रकरण भी इसी का एक हिस्सा है।18 जुलाई को यूपी एटीएस ने जन सेवा केंद्र संचालक जीशान खान, सुहैल, रियाज खान और वीडीओ विजय बहादुर यादव से अलग-अलग पूछताछ की थी। इस दौरान एक बड़े नेटवर्क की जानकारी हाथ लगी है, जो बांग्लादेशियों और रोहिंग्या को जगह-जगह बसाने में लगा है। कानपुर, उन्नाव, प्रयागराज, लखनऊ में भी इसी तरह का खेल चल रहा है। इसके बाद एटीएस बिहार, असम, कर्नाटक, केरल, मुंबई तक के तार जोड़ने में लगा है।

समाज में...

भारत के पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के निकट है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय देश के किसानों और श्रमिकों की अथक मेहनत, नीति-निर्माताओं और उद्यमियों की दूरगामी सोच तथा देश के दूरदर्शी नेतृत्व का सुफल बताया। उन्होंने कहा कि तीव्र विकास से लोगों की आमदनी बढी है और गरीबी भी काफी कम हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार हर गरीब व्यक्ति की सहायता कर उसे इस गर्त से बाहर निकालने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

राष्ट्रपति ने अन्नदाता किसानों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत से देश में अनाज उत्पादन बढा है और खाद्य सुरक्षा में उनका योगदान अमूल्य है। उन्होंने कहा कि सरकार हाल के वर्षों में इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा दिया है जिससे सड़कों, राजमार्गों, रेलवे और बंदरगाहों का नेटवर्क तेजी से बढा है। भावी प्रौद्योगिकी की अद्भुत क्षमता को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने सेमी कंडक्टर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे कई क्षेत्रों को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया है, साथ ही स्टार्ट अप के लिए एक आदर्श इको सिस्टम भी बनाया है। उन्होंने कहा कि इससे निवेशकों में भारत के प्रति आकर्षण और अधिक बढ़ गया है। बढ़ती हुई पारदर्शिता के साथ, बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्रों की कार्य-कुशलता में वृद्धि हुई है। इन सभी बदलावों ने अगले दौर के आर्थिक सुधारों और आर्थिक विकास के लिए मंच तैयार कर दिया है जहां से भारत विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हो जाएगा।जी-20 सम्मेलन के सफल आयोजन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें भारत ने गरीब और विकासशील देशों के मुद्दों को मुखर अभिव्यक्ति देने वाले देश के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत बनाया है। उन्होंने कहा कि भारत अपनी प्रभावशाली स्थिति का उपयोग विश्व शांति और समृद्धि के विस्तार के लिए करना चाहता है। महिलाओं के सशक्तिकरण के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने इस दिशा में कई नयी पहल की है और पिछले दशक में इस उद्देश्य के लिए बजट प्रावधान में तीन गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। श्रम बल में उनकी भागीदारी बढ़ी है। महिलाओं को केंद्र में रखते हुए सरकार द्वारा अनेक विशेष योजनाएं भी लागू की गई हैं। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का उद्देश्य महिलाओं का वास्तविक सशक्तीकरण सुनिश्चित करना है।उन्होंने जलवायु परिवर्तन की चुनौती का उल्लेख करते हुए कहा कि यह एक हकीकत बन गयी है और इससे विकासशील देशों के लिए अपने आर्थिक प्रतिमानों को बदलना और भी अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। उन्होंने कहा कि भारत ने इस दिशा में आशा से अधिक सुधार किये हैं। उन्होंने जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए जीवनशैली में बदलाव का भी आह्वान किया। श्रीमती मुर्मु ने इस वर्ष जुलाई से देश में लागू नई आपराधिक न्याय संहिता का उल्लेख करते हुए कहा कि इनका उद्देश्य, केवल दंड देने की बजाय, अपराध-पीड़ितों के लिए न्याय सुनिश्चित करना है।

अमृत काल में युवा आबादी की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि उनके मनो-मस्तिष्क को विकसित करना तथा परंपरा एवं समकालीन ज्ञान के सर्वश्रेष्ठ आयामों को ग्रहण करने वाली नई मानसिकता का निर्माण करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि 2020 से लागू की गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने युवा प्रतिभा का समुचित उपयोग करने के लिए सरकार की कौशल, रोजगार तथा अन्य अवसरों को सुलभ बनाने की बजट में की गयी पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि रोजगार और कौशल के लिए प्रधानमंत्री की पांच योजनाओं के माध्यम से पांच वर्षों में चार करोड़ दस लाख युवाओं को लाभ मिलेगा।

राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में विज्ञान और प्रौद्योगिकी, डिजिटल अर्थव्यवस्था और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की प्रगति को अभूतपूर्व बताया। उन्होंने कहा कि वह अगले साल होने वाले गगनयान मिशन के शुभारंभ की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रही हैं जो भारत का अपना पहला मानवरहित अंतरिक्ष अभियान होगा। उन्होंने कहा कि देश ने खेल जगत में प्रगति की है और सरकार ने देश भर में खेल-कूद के बुनियादी ढांचे के विकास को समुचित प्राथमिकता दी है और इसके परिणाम सामने आ रहे हैं।

तिरंगा फहराने के ...

हाईकोर्ट ने डीजीपी को निर्देश दिया कि ऐसी रैली के लिए अनुमति देने से इनकार न करें। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि रैली निकालने वाले लोगों को यह गारंटी देनी होगी कि राष्ट्र ध्वज को नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा और यातायात एवं कानून-व्यवस्था के नियमों का उल्लंघन नहीं किया जाएगा।दरअसल, कोयंबटूर का भाजपा युवा मोर्चा स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज के साथ बाइक रैली निकालने की योजना बनाई थी। इसके लिए उन्होंने पुलिस के पास आवेदन भेजा, लेकिन पुलिस ने अनुमति देने से इनकार कर दिया।

सपा में घमासान, एक दूसरे की पोल खोल रहे नेता

अखिलेश यादव के सामने ही भिड़ गए नेता

मेरठ, 14 अगस्त (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी में गुटबाजी खुलकर सामने आ गई है। लखनऊ में अखिलेश यादव के सामने ही सपाइयों में खूब घमासान हुआ। सपा नेताओं ने लोकसभा चुनाव में हार पर एक-दूसरे की पोल खोल दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने गोपनीय रिपोर्ट मांगी है। कार्रवाई के संकेत दिए हैं।

सपा नेताओं में गुटबाजी और आपसी खींचतान जगजाहिर है। मंगलवार को लखनऊ में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के सामने सपाइयों में खूब घमासान हुआ। एक-दूसरे की पोल खोल दी। गंभीर आरोप लगाए गए। लोकसभा चुनाव में हार का ठीकरा एक-दूसरे पर फोड़ा गया। अखिलेश यादव ने भी नाराजगी जताई और कहा कि और बेहतर ढंग से अगर चुनाव लड़ाया जाता तो जीत होती। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने मेरठ के सपाइयों को लोकसभा चुनाव की हार पर मंथन करने के लिए लखनऊ बुलाया था। साथ ही मुजफ्फरनगर के मीरापुर विधानसभा में होने वाले उप चुनाव की तैयारियों को लेकर हिदायत देनी थी। इसमें सपा विधायक, पूर्व व वर्तमान जिलाध्यक्ष, राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर पदाधिकारी आदि शामिल हुए।

लोकसभा चुनाव में सपा कड़े मुकाबले में हारी थी। सपा प्रत्याशी सुनीता वर्मा भाजपा के प्रत्याशी अभिनेता अरुण गोविल से करीब 10 हजार वोटों के अंतर से हारी थीं। सपा की हार की वजह आपसी कलह भी रही थी। एक-दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप भी लगाए गए थे। अब उन सभी की समीक्षा हुई।

लोकसभा प्रत्याशी सुनीता वर्मा के पति पूर्व विधायक योगेश वर्मा ने बैठक में कहा कि संगठन ने उन्हें मजबूती से चुनाव नहीं लड़ाया। अतुल प्रधान का नाम लिए बिना उन्होंने निशाना साधा। कहा कि भीतरघात हुई, जिसकी वजह से हमारी हार हुई। इसके अलावा उन्होंने प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. परविंदर सिंह भी निशान साधा। कहा कि वह उनसे मिलने गए थे, मगर वह चुनाव के दौरान मिले तक नहीं। इन दोनों के बीच काफी कहासुनी भी हुई।

पूर्व मंत्री प्रभुदयाल वाल्मीकि हस्तिनापुर विधानसभा क्षेत्र के सपा पदाधिकारियों के निशाने पर रहे। उन्होंने कहा कि प्रभु दयाल ने बिजनौर के सपा प्रत्याशी को सही से चुनाव नहीं लड़ाया, उनकी वजह से ही भाजपा के चंदन चौहान को जीत मिली। जिला अध्यक्ष विपिन चौधरी ने पूर्व विधायक योगेश वर्मा पर निशाना साधा। कहा कि प्रत्याशी मजबूती से चुनाव ही नहीं लड़े। जिस तरह से चुनाव में खर्च करना था। लोगों को जोड़ना था, वह भी नहीं किया। यही हार की वजह रही।

अखिलेश यादव ने पर कैबिनेट मंत्री शाहिद मंजूर, सरधना विधायक अतुल प्रधान और शहर विधायक रफीक अंसारी से कहा कि वह अगर 10-10 हजार वोट और दिलवा देते तो जीत हो जाती। खासकर शाहिद मंजूर से उन्होंने कहा कि किठौर विधानसभा में कई बूथों पर हार हुई है, जो नहीं होनी चाहिए थी। कुछ सपाइयों ने वहां जिला अध्यक्ष विपिन चौधरी को हटाने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह संगठन को मजबूती से नहीं चला रहे हैं। संगठन को बदला जाना चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा कि सब उन्हें गोपनीय रूप से लिखकर दें। क्या कमियां हैं। इसके बाद कार्रवाई करेंगे।

अखिलेश यादव ने योगेश वर्मा और सुनीता वर्मा से कहा कि और बेहतर तरीके से चुनाव लड़कर जीत जा सकता था, लेकिन फिर भी बहुत वोट मिले, बहुत अच्छा चुनाव लड़े। बैठक में पूर्व व वर्तमान विधायकों, लोकसभा प्रत्याशी, जिलाध्यक्ष के अलावा आदिल चौधरी, राजपाल सिंह, आकिल मुर्तजा, नीरज पाल, अंकित शर्मा, जितेंद्र गुर्जर, मोहम्मद अब्बास, शशिकांत गौतम, सचिन गुर्जर, मेराज महलका और आस मोहम्मद आदि शऱामिल थे।

राज्यसभा उपचुनाव : 21 अगस्त तक भरे जा सकेंगे नामांकन

चंडीगढ़, 14 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा में राज्य सभा की एक सीट के उपचुनाव के लिये नामांकन प्रक्रिया बुधवार से शुरू हो गयी है और नामांकन 21 अगस्त तक दाखिल किये जा सकेंगे।चुनाव अधिकारी डॉ साकेत कुमार ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उपचुनाव के लिये कार्यक्रम की घोषणा की जा चुकी है, जिसके तहत नामांकन 21 अगस्त तक भरे जा सकेंगे। नामांकनों की जांच 22 अगस्त को होगी। नामांकन वापस 27 अगस्त को लिये जा सकेंगे और आवश्यकता हुई तो मतदान तीन सितंबर को हरियाणा विधानसभा सचिवालय में होगा।

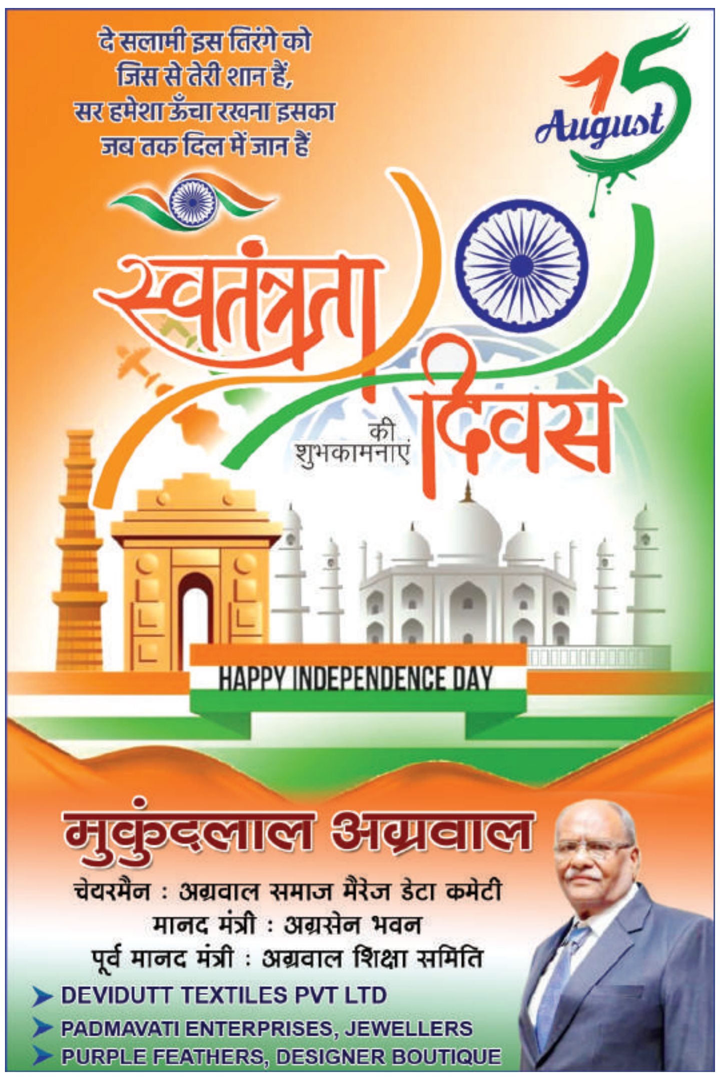

3840 मेगावाट के 9 सोलर पार्कों से 528 मेगावाट बिजली उत्पादन शुरू

लखनऊ, 14 अगस्त (एजेंसियां)। सीएम योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। खासतौर पर सोलर पार्क को लेकर प्रदेश में बड़े पैमाने पर काम किया जा रहा है। इसके तहत प्रदेश में 3840 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता के 9 सोलर पार्कों की स्थापना की जा रही, जिसमें से 528 मेगावाट बिजली का उत्पादन भी शुरू हो गया है। ये सोलर पार्क बुंदेलखंड और अन्य क्षेत्रों में स्थापित किए जा रहे हैं। प्रदेश में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में विशेष रूप से सोलर पार्कों की स्थापना के लिए बड़े पैमाने पर निवेश प्राप्त हुआ है। उल्लेखनीय है कि सौर ऊर्जा की प्राकृतिक संभावना वाले सर्वश्रेष्ठ चार राज्यों राजस्थान, गुजरात, आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश के पश्चात उत्तर प्रदेश देश में पांचवें स्थान पर है, जहां पर सौर ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में वृहद स्तर पर कार्य किया जा रहा।

सोलर पार्क के अतिरिक्त घरों की छतों पर रूफटॉप सोलर लगाना, सोलर नगरों की स्थापना, कृषि फॉर्म को सौर ऊर्जा से बिजली देना, पंप स्टोरेज एवं जैव ऊर्जा के उत्पादन पर भी प्रदेश सरकार का फोकस है। बायोमास ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में भी यूपी देश में दूसरे स्थान पर है। पीएम सूर्य घर योजना के तहत प्रदेश में 25 लाख घरों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे लोगों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली मिलेगी। प्रदेश में सौर ऊर्जा से 22 हजार मेगावाट विद्युत उत्पादन का लक्ष्य है। इसमें 6 हजार मेगावाट निजी व सरकारी भवनों में सोलर रूफटॉप संयंत्रों की स्थापना करके की जाएगी तथा 14 हज़ार मेगावाट क्षमता की सौर उपयोगिता परियोजनाएं व सोलर पार्क स्थापित किए जाएंगे। राज्य में अभी तक 3871.17 मेगावाट ग्रिड से जुड़ी नवीकरणीय क्षमता स्थापित की गई है। साथ ही कैप्टिव उपयोग, तीसरे पक्ष की बिक्री और डिस्कॉम, यूपीपीसीएल को बिजली की खुली बिक्री के तहत 2594 मेगावाट की ग्राउंड माउंटेड परियोजना स्थापित की गई। घरों में 375 मेगावाट क्षमता के रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित किए जा चुके हैं।

इसी प्रकार पीएम कुसुम योजना के तहत 16.17 मेगावाट ग्रिड ट्यूबवेल को सौर ऊर्जा से संचालित किया जा रहा है। किसानों के निजी ऑन ग्रिड पंप का सोलराइजेशन के साथ अलग कृषि विद्युत फीडरों का भी सोलराइजेशन कराया जाएगा। प्रदेश के 61 जिलों के गांवों में 886 मेगावाट के पेयजल पंपिंग स्टेशन सौर ऊर्जा से संचालित किए गए। पिछले एक वर्ष में 528 मेगावाट ग्राउंड माउंटेड यूटिलिटी स्केल चालू किया गया है। 6800 मेगावाट यूटिलिटी स्केल परियोजनाओं को स्थापित करने का कार्य किया जा रहा है। भारत सरकार ने सोलर पार्क और अल्ट्रा मेगा सोलर पावर प्रोजेक्ट के विकास के लिए योजना लागू की है, जिसके तहत 39,250 मेगावाट क्षमता को मंजूरी मिली है। अब तक 22 सोलर पार्कों में 11,591 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजनाएं देश में स्थापित की जा चुकी है।

संपादकीय

भारत बांग्लादेश नहीं

तीन दिन के बाद हम देश का 'स्वतंत्रता दिवस' मनाएंगे। राष्ट्रध्वज 'तिरंगा' अभी से घर-घर और हाथों में लहरा रहा है। आजादी को 77 साल बीत जाएंगे, लेकिन भारत का लोकतंत्र और उसकी संप्रभुता यथावत है। इधर कुछ 'देशद्रोही' आवाजें उठ रही हैं कि भारत में भी बांग्लादेश जैसे हालात पैदा हो सकते हैं! आंदोलन और बगावत की नौबत आ सकती है! मणिशंकर अय्यर और सलमान खुर्शीद सरीखे नेताओं ने दोनों देशों की परिस्थितियों की तुलना की है कि दोनों देशों में युवा असंतोष, आक्रोश चरम पर हैं। बेरोजगारी बहुत है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना 'तानाशाही फितरत' की थीं। उन्होंने विपक्ष का पूरी तरह दमन कर दिया था। भारत में भी प्रधानमंत्री मोदी को 'तानाशाह' करार देते हैं। उनका इस बार का चुनाव सवालिया है। उन्होंने भी विपक्षी नेताओं के पीछे सरकारी एजेंसियां लगा रखी हैं। विपक्षी नेताओं को जेल में डाला जा रहा है। इन समान स्थितियों के मद्देनजर भारत में भी आंदोलनात्मक उफान आ सकता है। दुर्भाग्य है कि अय्यर और खुर्शीद भारत सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने यह बयान सार्वजनिक मंच से दिया है कि मोदी जी शेख हसीना की सलाह ले लें कि देश छोड़ कर कैसे भागना है? यह बयान संवैधानिक मर्यादा और गरिमा का घोर अतिक्रमण है, क्योंकि देश के मौजूदा प्रधानमंत्री के खिलाफ ऐसे भाव व्यक्त किए गए हैं। एक और उदाहरण गौरतलब है कि लोकसभा में वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान सपा सांसद मौलाना मोहिबुल्ला ने धमकी भरे लहजे में कहा कि कहीं ऐसा न हो कि मुसलमान सडक़ों पर उतर आएं! यह घोर असंसदीय टिप्पणी है, जिस पर स्पीकर ओम बिरला को तुरंत आपत्ति जतानी चाहिए थी और सत्ता पक्ष को भी विरोध दर्ज कराना चाहिए था। हम नहीं जानते कि सपा सांसद की उस टिप्पणी को लोकसभा के रिकॉर्ड में दर्ज होने दिया गया अथवा रद्द कर दिया गया। ऐसे ही बयानों के आधार पर मुसलमानों को भडक़ाने, सुलगाने की कोशिशें जारी हैं। उन्हें तुरंत कुचल देना चाहिए। कुछ राजनीतिक दल भी 'भारत में मुस्लिम बगावत' का समर्थन कर रहे हैं, क्योंकि मुसलमान उनके वोट बैंक हैं। वे सभी मुगालते में हैं कि मोदी सरकार को इसी तरह ध्वस्त किया जा सकता है, लिहाजा वक्फ के नए नेरेटिव के आधार पर वे मुसलमानों को भडक़ा, उकसा रहे हैं। सोशल मीडिया पर कुकुरमुत्ते की तरह उग रहे फर्जी विचारकों ने भी भारत में 'अपशकुनी आशंकाओं' के प्रलाप जारी रखे हैं। इस तरह एक व्यापक मजहबी, सियासी, सामाजिक और वैचारिक षड्यंत्र रचा जा रहा है, लिहाजा हमने 15 अगस्त की याद दिलाई है। भारत आत्मा से लोकतांत्रिक देश है। तख्तापलट या राष्ट्रध्यक्षों, प्रधानमंत्रियों की हत्या करने के संस्कार भारतीयों में नहीं हैं। आंदोलन भारत में भी होते रहे हैं, क्योंकि यह संवैधानिक मौलिक अधिकार है, लेकिन आंदोलन भारत-विरोधी नहीं होते। भारत में भी राजनीतिक अस्थिरता के दौर रहे हैं, क्योंकि 1970 के दशक के बाद 'त्रिशंकु जनादेश' दिए गए हैं, लिहाजा बाहरी समर्थन से अथवा गठबंधन के आधार पर सरकारें बनी हैं। चौ. चरण सिंह, वीपी सिंह, चंद्रशेखर, देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल सरीखे प्रधानमंत्रियों ने ऐसी आधी-अधूरी सरकारें चलाई हैं, लेकिन उनके खिलाफ बगावती उपद्रव कभी नहीं मचे। मार-काट अथवा प्रधानमंत्री के इस्तीफे या सर्वोच्च अदालत के न्यायाधीशों को जबरन पद छोडऩे को विवश कभी नहीं किया गया, क्योंकि भारत आत्मा से, समग्रता में, लोकतांत्रिक देश है। हर बार लोकतंत्र का पालन किया जाता रहा है, बेशक चुनावी जनादेश कैसा भी हो। बांग्लादेश दिखावटी लोकतंत्र रहा है।

आजादी को 77 साल बीत जाएंगे, लेकिन भारत का लोकतंत्र और उसकी संप्रभुता यथावत है। इधर कुछ 'देशद्रोही' आवाजें उठ रही हैं कि भारत में भी बांग्लादेश जैसे हालात पैदा हो सकते हैं! आंदोलन और बगावत की नौबत आ सकती है! मणिशंकर अय्यर और सलमान खुर्शीद सरीखे नेताओं ने दोनों देशों की परिस्थितियों की तुलना की है कि दोनों देशों में युवा असंतोष, आक्रोश चरम पर हैं। बेरोजगारी बहुत है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना 'तानाशाही फितरत' की थीं। उन्होंने विपक्ष का पूरी तरह दमन कर दिया था। भारत में भी प्रधानमंत्री मोदी को 'तानाशाह' करार देते हैं। उनका इस बार का चुनाव सवालिया है। उन्होंने भी विपक्षी नेताओं के पीछे सरकारी एजेंसियां लगा रखी हैं। विपक्षी नेताओं को जेल में डाला जा रहा है। इन समान स्थितियों के मद्देनजर भारत में भी आंदोलनात्मक उफान आ सकता है। दुर्भाग्य है कि अय्यर और खुर्शीद भारत सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने यह बयान सार्वजनिक मंच से दिया है कि मोदी जी शेख हसीना की सलाह ले लें कि देश छोड़ कर कैसे भागना है? यह बयान संवैधानिक मर्यादा और गरिमा का घोर अतिक्रमण है, क्योंकि देश के मौजूदा प्रधानमंत्री के खिलाफ ऐसे भाव व्यक्त किए गए हैं।

चीन एवं पाकिस्तान की कुचालों एवं षडयंत्रों से भारत के पडोसी देशों की हालात जर्जर होती जा रही है, जिसका ताजा उदाहरण बांग्लादेश है

मालदीव-भारत के बेहतर होते रिश्तों के सबब

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पूर्व कार्यकाल में पडोसी देशों की यात्रा करते हुए उनसे भारत के संबंधों को सौहार्दपूर्ण एवं विकासमूलक बनाने के प्रयास किये। इसी के तहत मोदी की तत्कालीन मालदीव दौरे का मुख्य उद्देश्य नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी के तहत सुरक्षा, विकास की दृष्टि के भारत के संबंधों को और मजबूत करना था। दौरे के दौरान मोदी को मालदीव के सर्वोच्च सम्मान 'निशान इजुद्दीन' से भी सम्मानित किया गया। दरअसल मालदीव की दक्षिण एशिया और हिन्द महासागर में जो स्ट्रेटजिक (सामरिक) लोकेशन है, वह भारत के लिए बेहद अहम है।

चीन की कटपुतली बने मालदीव को आखिर भारत की कीमत समझ में आ गयी। चीन एवं पाकिस्तान की कुचालों एवं षडयंत्रों से भारत के पडोसी देशों की हालात जर्जर होती जा रही है, जिसका ताजा उदाहरण बांग्लादेश है। लेकिन एक पडोसी देश के रूप में पिछले करीब एक साल की अवधि में मालदीव ने भी गहरे हिचकोले खाने एवं कई कड़वे अनुभवों से गुजरने के बाद अब पटरी पर आ गया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर की पिछले सप्ताह हुई मालदीव यात्रा के दौरान वहां के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का जैसा दोस्ताना रवैया देखने को मिला, जिस तरह से उन्होंने भारत के साथ आगे बढ़ने की मंशा जाहिर की, यह उन्हें अपनी गलती का अहसास कराने का ही द्योतक कहा जा सकता है। देर आये दुरस्त आये वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए भारत-मालदीव के रिश्तों को भावनात्मक राजनीति के तकाजों पर कूटनीति की ठोस हकीकतों की जीत के रूप में देखा जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पूर्व कार्यकाल में पडोसी देशों की यात्रा करते हुए उनसे भारत के संबंधों को सौहार्दपूर्ण एवं विकासमूलक बनाने के प्रयास किये। इसी के तहत मोदी की तत्कालीन मालदीव दौरे का मुख्य उद्देश्य नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी के तहत सुरक्षा, विकास की दृष्टि के भारत के संबंधों को और मजबूत करना था। दौरे के दौरान मोदी को मालदीव के सर्वोच्च सम्मान 'निशान इजुद्दीन' से भी सम्मानित किया गया। दरअसल मालदीव की दक्षिण एशिया और हिन्द महासागर में जो स्ट्रेटजिक (सामरिक) लोकेशन है, वह भारत के लिए बेहद अहम है। मालदीव में पिछले कुछ सालों में चीन ने अपना प्रभुत्व बढ़ाया है, उसे हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर उल्लेखनीय सफलता भी मिली। लेकिन यह सब करने के पीछे चीन का मुख्य लक्ष्य मालदीव की भारत से दूरी बढ़ाना भी रहा, जिसमें उसे बड़ी सफलता मिली। इस प्रकरण की शुरुआत पिछले साल हुए राष्ट्रपति चुनाव में एक प्रत्याशी के तौर पर मुइज्जू ने भारत विरोधी भावनाओं पर दांव लगाया था। वह बार-बार सार्वजनिक तौर पर यह संकल्प करते देखे गए कि सत्ता में पहुंचते ही भारतीय सैनिकों को मालदीव से विदा कर देंगे। हालांकि सबको पता था कि भारतीय सैनिकों की वहां मौजूदगी सांकेतिक ही थी। भारत और मालदीव के बीच सदियों पुराने प्रेम

एवं सौहार्द के रिश्ते एकाएक तल्ख होते दिखाई देने लगा। मालदीव की तरफ से लगातार तनाव बढ़ाने वाले बयान आते रहे, लेकिन भारत की तरफ से फिर भी संतुलित नीति अपनाई जाती रही है। इसी दौरान मोदी की लक्षद्वीप यात्रा की, जिसका उद्देश्य कत्तई किसी भी देश के पर्यटन को नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि अपने देश में पर्यटन की नई संभावनाओं को तलाशना है।

प्रधानमंत्री मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणियों के बाद सोशल मीडिया पर बॉयकाट मालदीव ट्रेंड होने लगा। इस हैशटैग के साथ लोगों के ऐसे पोस्ट की बाढ़ आ गई, जिसमें वे मालदीप और लक्षद्वीप की तुलना करते हुए लक्षद्वीप को बेहतर बता रहे है। मुइज्जू के भारत विरोध उनके अनेक मंत्रियों की तल्ख टिप्पणियों एवं रवैये के कारण वहां की अर्थ-व्यवस्था गिरने लगी, विशेषतः पर्यटन उद्योग को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। मालदीव की नई सरकार के रुख को देखते हुए भारत ने भी वेट एंड वॉच की पॉलिसी अख्तियार कर ली। नतीजा यह हुआ कि भारत से छुट्टियां बिताने मालदीव जाने वाले टूरिस्टों की संख्या कम होने लगी। इस साल के शुरुआती चार महीनों की अवधि में वहां भारतीय टूरिस्टों की संख्या में 42 प्रतिशत घट गयी। ध्यान रहे, मालदीव की जीडीपी में टूरिज्म का योगदान 30 प्रतिशत है। इतना ही नहीं, भारत के सहयोग से चलने वाले इन्फ्रा प्रॉजेक्ट्स और हेल्थ, एजुकेशन और कृषि क्षेत्रों से जुड़े कई प्रॉजेक्ट्स का भविष्य भी अधर में लटका दिखाई देने लगा। मुइज्जू सरकार इनकी अनदेखी नहीं कर सकती थी। किसी अन्य देश का सहयोग भी इसकी भरपाई नहीं कर सकता था। ऐसे में मुइज्जू सरकार ने पिछले कुछ समय से अपने रुख में बदलाव का संकेत देना शुरू कर दिया था। भारत ने भी इन संकेतों का सम्मान किया। नतीजा यह कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मालदीव की यात्रा की, जिसके कारण दो पड़ोसी देशों के पुराने रिश्ते फिर पटरी पर लौटते दिख रहे हैं।

मालदीव एक समय भारत का सहयोगी हुआ करता था। वहां की अर्थव्यवस्था चीन और भारत पर निर्भर है। हालांकि, मालदीव की भारत से नजदीकी हमेशा चीन को खटकती थी, जिस कारण उसने इस देश को अपने कर्ज के जाल में फंसाया। धीरे-धीरे इस देश की माली हालत बुरी होने लगी, जिसके बाद यहां चीन समर्थक और इंडिया आउट का नारा देने वाले मोहम्मद मुइज्जू की सरकार बनी। पाकिस्तान एवं चीन के दबाव में उनके नए राष्ट्रपति के सुर बदले। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने। मुइज्जू ने राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे पहले चीन का ही दौरा किया था और इसके बाद उन्होंने कई भारत विरोधी फैसले किए, लेकिन इन स्थितियों के कारण हुए भारी नुकसान का झेलते हुए मालदीव चीन के मनसूबों का भाप गया। भारत का पड़ोसी देश मालदीव हिंद महासागर पर बसा है और इस कारण यह सुरक्षा की दृष्टि से भी अहम है। यहां की नई सरकार चीन के करीब दिख रही है और चीन अपने मनसूंबो को पूरा करने के लिये गलत रास्तों पर ढकेल रहा है। मालदीव के नए राष्ट्रपति ने तो अपने चुनाव प्रचार में ही 'इंडिया आउट' का नारा दिया था। भारत एवं मालदीव के बीच तल्खी अगर बढ़ती तो हिंद महासागर रीजन की सिक्योरिटी भारत के लिए परेशानी का सबब बन सकती है।

चीन हमारे रिश्तों की तल्खी का फायदा उठाने की लगातार कोशिश कर रहा है। जिसका भारत ने खयाल रखा। इसलिए भारत सरकार की तरफ से संतुलित नीति पर बल दिया जाता रहा है, जबकि मालदीव की तरफ से तो लगातार काफी कुछ गलत कहा जाता रहा है। लेकिन मालदीव को भी यह समझ आ गया कि भारत से दूरी उसके लिये नुकसानदायी है। चीन की तुलना में भारत से मालदीव के हित ज्यादा गहराई से जुड़े हैं। फिर भी मुइज्जू भारत के साथ रिश्तों में आ रही संभावित दूरी की भरपाई चीन से करीबी रिश्तों के रूप में करना चाहते हैं। हालांकि एक्सपर्ट्स तब भी इस बात की ओर ध्यान खींच रहे थे कि भू-राजनीति की वास्तविकताओं के मद्देनजर यह संभव नहीं है कि मालदीव में जो भूमिका भारत निभा सकता है।

दृष्टि कोण

प्रकृति में समृद्ध, विकास में पिछड़ा चंबा जिला

हिमाचल प्रदेश का जिला चंबा आजादी से पहले उत्तर पश्चिमी हिमालय का एक मुख्य रजवाड़ा हुआ करता था, जो आजादी के बाद हिमाचल प्रदेश में 1948 में शामिल हुआ और जिला चंबा कहलाया। हालांकि लाहौल का भी कुछ क्षेत्र चंबा रजवाड़े का भाग हुआ करता था जिसे चंबा लाहौल कहा जाता था। पंजाब-हिमाचल के पुनर्गठन के बाद कुल्लू-लाहौल का मुख्य भाग भी जब हिमाचल में शामिल हो गया तब चंबा लाहौल वाला क्षेत्र जिला लाहौल-स्पीति में डाल दिया गया। चंबा रजवाड़ा शासन के अंतर्गत अन्य पहाड़ी रजवाड़ों से विकसित और प्रगतिशील माना जाता था, जहां 1870 से पहले राजा श्री सिंह के समय आधुनिक चिकित्सालय का निर्माण हो चुका था, राजा शाम सिंह के समय जिसे 40 बिस्तर का अस्पताल बनाया गया। राज्य के दूरदराज हिस्सों को सडकों से जोड़ा गया। विद्यालय खोले गए। प्रतिभाशाली छात्रों को राज्य से बाहर पढऩे के लिए छात्रवृत्ति दने की व्यवस्था हुई। 1881 में एशिया का पहला कुष्ठ रोग चिकित्सा केंद्र खोला गया। राज्य में डाक व्यवस्था से संपर्क व्यवस्था खड़ी की गई। 1908 में भूरि सिंह संग्रहालय की स्थापना हुई। 1910 में जल विद्युत पॉवर हाउस बनाया गया। जब चंबा में बिजली थी, तब कांगड़ा और अन्य हिमाचली रजवाड़ों में कहीं भी बिजली नहीं थी। आजादी के समय पहाड़ी क्षेत्रों को पंजाब के पहाड़ी क्षेत्र कह कर पंजाब में मिलाने की बात हो रही थी, जिसके पीछे तर्क छोटे राज्य के लिए आर्थिक संसाधन जुटाना संभव नहीं था। उस समय हिमाचल के पूर्वी छोर पर तीन जिले मंडी, शिमला और सिरमौर ही हिमाचल में शामिल हो रहे थे।

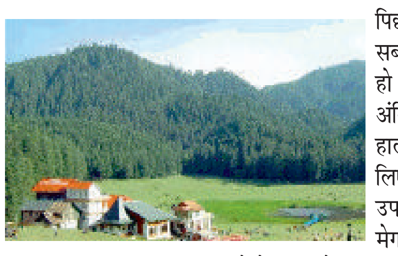

चंबा तो अलग-थलग पश्चिमी छोर पर था। किंतु चंबा ने प्रजामंडल के माध्यम से अलग पहाड़ी प्रदेश की मुहिम में शामिल होकर हिमाचल के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और हिमाचल के गठन को संभव बनाया। बिलासपुर रजवाड़ा तो बाद में 1952 में हिमाचल में मिला। इसलिए चंबा के महत्व को उस समय के नेतृत्व ने समझा और समय के साथ चलने के लिए जरूरी विकास कार्य बखूबी हुए। बिजली को ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने का कार्य 1955 के बाद ही आरंभ हो गया। उस समय हिमाचल सी श्रेणी राज्य था जिसे पर्याप्त केन्द्रीय सहायता प्राप्त थी। चंबा की प्रमुख ग्रामीण सडक़ों का निर्माण शुरू हुआ। प्रदेश का पहला सामुदायिक विकास ब्लाक भटियात (चंबा) में खोला गया। स्कूलों के भवन, पटवारखाने आदि के भवन बनाए गए। दुर्भाग्य से राज्य पुनर्गठन के बाद चंबा का राजनीतिक कद छोटा होता गया। चंबा धीरे धीरे पिछड़ता गया। आज देश के 112 सबसे पिछड़े जिलों में इसकी गणना हो रही है। हिमाचल में भी चंबा अंतिम पायदान पर खड़ा है। हालांकि जिला के पास विकास के लिए प्राकृतिक संसाधन प्रचुरता से उपलब्ध हैं। जिला में 2952 मेगावाट जल विद्युत की क्षमता है जिसमें से 1500 मेगावाट क्षमता का दोहन वर्तमान में हो रहा है। जिला का भौगोलिक स्वरूप विविधतापूर्ण है। यहां 2000 फुट से 21000 फुट तक ऊंचाई के क्षेत्र विद्यमान हैं, जहां उष्णकटिबंधीय से लेकर शीत मरुस्थलीय जलवायु उपलब्ध है। इसमें हर प्रकार की फसलों, जड़ी-बूटियों और वन उपजों का उत्पादन होता है। जिला का क्षेत्रफल 692419 हैक्टेयर है। आबादी 519080 है, जिसमें 56.65 फीसदी कर्मकार आबादी है। वन भूमि भी काफी है। कृषि क्षेत्र 70563 हैक्टेयर है। साक्षरता दर 72.17 प्रतिशत है। वर्तमान में चंबा के पिछड़ेपन के प्रमुख तीन कारण हैं : आवागमन एवं संचार व्यवस्था में कठिनाइयां, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था का अभाव, स्वास्थ्य व्यवस्था का अभाव। इन तीन कमियों के कारण जो भी व्यक्ति समर्थवान हो जाते हैं, वे यहां से दूसरी जगहों में बस जाते हैं।

स्थायी प्रवास का आंकड़ा भी जिला में काफी होगा जिसका इशारा बढ़ते गैर आबाद गांव की संख्या से भी मिल जाता है। 2001 में गैर आबाद गांव 473 थे जो अब 481 हो गए हैं। यहां की प्रशासनिक व्यवस्था भी डांवाडोल ही रहती है। चंबा में पोस्टिंग को लोग सजा के तौर पर देखते हैं और यहां से बदली करवाने के चक्कर में रहते हैं। यही कारण है कि मेडिकल कॉलेज जैसी महत्वपूर्ण संस्थाओं में भी डाक्टरों की रिक्तियां भरी नहीं जा सकती। कृषि-बागवानी आदि प्रमुख विभागों में भी ज्यादातर स्थान अमूमन खाली रहते हैं। यही कारण है कि चंबा के संसाधनों और क्षमताओं के समुचित दोहन की व्यवस्थाएं खड़ी नहीं की जा सकी हैं।

कुछ अलग

यूनुस से उम्मीदें

शेख हसीना के नाटकीय ढंग से बांग्लादेश छोड़ने के बाद अराजकता व हिंसा का जो तांडव चलता रहा है, उसके बीच अंतरिम सरकार के मुखिया की जिम्मेदारी नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस को मिलना नई उम्मीदें जगाता है। यह आने वाला वक्त बताएगा कि 84 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता यूनुस निर्विवाद लोकप्रियता के बावजूद अराजक बांग्लादेश को कितनी जल्दी सामान्य बना पाते हैं। निश्चित रूप से उथल-पुथल से गुजरते देश में स्थिरता लाना एक कठिन चुनौती होगी। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि विश्वविख्यात अर्थशास्त्री और गैर-राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले यूनुस मौजूदा हालात में एक बेहद विश्वसनीय विकल्प के रूप में सामने आए हैं। यहां तक कि हसीना सरकार के खिलाफ आंदोलनरत छात्र नेताओं ने ही उनके नाम की सिफारिश इस जिम्मेदारी के लिये की थी। यह अच्छी बात है कि उन्होंने कहा कि देश मे हिंसा व अशांति रहने से यह दूसरी आजादी निरर्थक साबित हो सकती है। वहीं उन्होंने भारत से बेहतर रिश्तों की भी जरूरत बतायी है। साथ ही उन्होंने आंदोलनकारियों को लगातार जारी हिंसा के क्षेत्रीय प्रभावों को लेकर भी चेताया है। जाहिर है यूनुस की प्राथमिकता तात्कालिक रूप से सामान्य स्थिति की बहाली, कानून और व्यवस्था में सुधार सुनिश्चित करने तथा कमजोर व अल्पसंख्यक समूहों की सुरक्षा तय करना होगी। बांग्लादेश तथा विश्व में मिले सम्मान व विश्वास से अर्जित अधिकार का वे कितने प्रभावशाली ढंग से उपयोग अराजकता समाप्त करने में कर पाते हैं, इसी बात पर उनकी सफलता निर्भर करेगी। निस्संदेह, बांग्लादेश में निरंकुश शासन से उपजे असंतोष ने सत्ता परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया है। अब यूनुस जैसे प्रगतिशाली व उदार व्यक्ति के हाथ में कमोबेश सत्ता की बागडोर आना निश्चित रूप से भारत के भी हित में होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि भारत सरकार भी इस रचनात्मक परिवर्तन के प्रति सकारात्मक रुख दिखाएगी। जाहिर है आने वाले दिनों में उनका नेतृत्व ही तय कर सकेगा कि बांग्लादेश कट्टरपंथियों व सेना के चंगुल से मुक्त होकर एक नई शुरुआत की ओर बढ़ सकेगा। निश्चित रूप से एक कार्यवाहक सरकार के मुखिया के रूप में यूनुस से बांग्लादेश के लोकतांत्रिक संस्थानों में सुधार, स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव की आकांक्षा को पूरा करने, नेताओं को जवाबदेह बनाने, प्रतिशोध की राजनीति की समाप्ति, सेना व चरमपंथियों की निरंकुशता पर अंकुश लगाने की उम्मीद की जा रही है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि हसीना सरकार के कार्यकाल में यूनुस को राजनीतिक प्रतिशोध का सामना करना पड़ा। उन्होंने सौ से अधिक मुकदमों का सामना किया। यही वजह है कि उन्हें आंदोलनकारियों ने मार्गदर्शक बनाने पर जोर दिया था। बहरहाल, फिलहाल, भारत की गंभीर चिंताएं अपने नागरिकों व बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा तक ही सीमित नहीं हैं। बल्कि यह भी हकीकत है कि बांग्लादेश में लंबे समय तक अस्थिरता भी हमारे लिये चिंता की बात होगी। ऐसे में बांग्लादेश में अंतरिम सरकार से सहयोग करना भारत की प्राथमिकता होनी चाहिए। यह अच्छी बात है कि भारत विरोधी राजनीतिक दलों, सेना व कट्टरपंथियों के दबाव के बावजूद उन्होंने भारत के साथ रिश्ते सुधारने पर बल दिया है।

देश दुनिया से

2024 के ढाका में फिर उपजा 1975 का भयावह मंज़र

शेख हसीना से समानता वहीं समाप्त होती है। उन्हें बांग्लादेश से निकलकर हिंडन वायुसेना अड्डे पर उतरे 7 दिन हो चले हैं, लेकिन अभी भी ब्रिटेन सरकार द्वारा राजनीतिक शरण दिए जाने का अनुमति संदेश पाने की बाट जोह रही हैं। शायद यूके वालों को आगे अमेरिका की हां का इंतजार हो –सबको पता है कि हसीना और अमेरिका के बीच कभी नहीं बनी और अमेरिकी-ब्रितानी सरकारों के बीच रिश्ते हर स्तर पर बहुत पक्के हैं– पूरी संभावना है कि हसीना के इस इंतजार के पीछे अमेरिकियों से मिलने वाले संदेश की देरी हो।

वर्ष 1974 में रोनेन सेन उस वक्त युवा थे, जब बतौर राजनयिक वे ढाका (पूर्व में डाका) में नियुक्त हुए, मुक्ति संग्राम से प्राप्त आजादी अभी नई-नई थी और जननायक एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रहरी मुजीब-उर-रहमान का शासन था। एक साल के भीतर–15 अगस्त की अलसुबह राजधानी के बीचोंबीच धानमोंडी स्थित घर में, सबसे छोटे बेटे 10 वर्षीय रसेल सहित पूरे परिवार को खत्म कर दिया गया (यादगार स्मारक बना दिए गये उस घर में मैं कई बार गई हूं, वहां सीढ़ियों पर खून के धुंधलाते धब्बों की याद है, जो शायद मौत से बचने के प्रयासों के दौरान परिवार के सदस्यों के होंगे, प्रतीकात्मक रूप से देखा जाए तो ये बांग्लादेश के उथल-पुथल भरे इतिहास की भी गवाही देते हैं)।

जिस प्रकार सेन वह वाक्या बयान करते हैं, जिज्ञासा जगाने वाली अपनी विशेषता के साथ, कि कैसे ढाका से दिल्ली तक, उस सुबह इंदिरा गांधी को मुजीब की हत्या की खबर पहुंचाई जा सकी थी –इसमें लगभग तमाम किस्म के परिवहन साधनों का इस्तेमाल करना पड़ा, जिसमें शायद मोटरसाइकिल भी होगी– और जब सूचना उन तक पहुंची तो उस वक्त वे लाल किले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र के नाम संबोधन देने के वास्ते सीढ़ियां चढ़ रही थीं। मुजीब दुनिया से जा चुके थे, साथ ही एक युवा राष्ट्र को आगे ले जाने के वादे की भी क्रूर मौत हुई। सेन कहते हैं, उस अजीब सुबह को याद करते वक्त आज भी उन पलों के अहसास से सराबोर हो जाता हूं। 49 साल पहले हुई इन जघन्य हत्याओं के पीछे कौन-सी शक्तियां थीं? और पिछले सप्ताह की 'क्रांति' का जिम्मेवार कौन? अब जबकि हम भारत में आज़ादी की एक और वर्षगांठ मनाने जा रहे हैं, बांग्लादेश का परिदृश्य न केवल 1975 की खटास भरी यादों से भरा है बल्कि भावी नियति के रंगों से भी रंजित है। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के तहत 17 सदस्यीय अंतरिम सरकार ने शपथ ग्रहण कर ली है, ऐसी खबरें हैं कि सीमाओं पर सीमा सुरक्षा बल थलीय रास्तों से भारत में प्रवेश करने वाले बांग्लादेशियों को रोक रहा है। कदाचित भाजपा दुविधा में है -क्या इन्हें आने दिया जाए, क्योंकि ज्यादा वक्त नहीं हुआ जब गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें 'दीमक' करार दिया था या फिर जैसा कि असम और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री मांग करते आए हैं, बिल्कुल भी अनुमति न दी जाए। तो क्या केवल बांग्लादेशी हिंदू स्वीकार्य होंगे– सनद रहे सीएए कानून केवल दक्षिण एशियाई अल्पसंख्यकों पर लागू होता है– या फिर भारत धर्म-निरपेक्ष आवामी लीग पार्टी के लोगों सहित तमाम बांग्लादेशियों के लिए अपने दरवाज़े खोल दे। कहा जा रहा है कि ऐसे लोग हवाई अड्डे के इर्द-गिर्द इस उम्मीद में छिपे हुए हैं ताकि मौका पाते ही, तेजी से हवाई जहाज पकड़कर सुरक्षित निकल पाएं।

रोनेन सेन की तरह अहसास भरी कुछ यादों के लिए 49 साल पीछे जाने की जरूरत नहीं है। बहुतों को केवल तीन साल पहले का एक और 15 अगस्त याद होगा, जब अफगानिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति अशरफ गनी अपने तीन निकटतम सहयोगियों और नोटों से भरे सूटकेसों सहित काबुल से भागे थे –वे सहयोगी तब से पश्चिमी जगत के विभिन्न मुल्कों में रह रहे हैं और खुद अशरफ गनी अबू धाबी में मजे में दिन गुजार रहे हैं। बांग्लादेश मामले की भांति, भारत ने अफगानियों के लिए भी अपना दरवाजा मजबूती से बंद किए रखा था– उन्हें अभी भी अनुमति नहीं है।

शेख हसीना से समानता वहीं समाप्त होती है। उन्हें बांग्लादेश से निकलकर हिंडन वायुसेना अड्डे पर उतरे 7 दिन हो चले हैं, लेकिन अभी भी ब्रिटेन सरकार द्वारा राजनीतिक शरण दिए जाने का अनुमति संदेश पाने की बाट जोह रही हैं। शायद यूके वालों को आगे अमेरिका की हां का इंतजार हो –सबको पता है कि हसीना और अमेरिका के बीच कभी नहीं बनी और अमेरिकी-ब्रितानी सरकारों के बीच रिश्ते हर स्तर पर बहुत पक्के हैं– पूरी संभावना है कि हसीना के इस इंतजार के पीछे अमेरिकियों से मिलने वाले संदेश की देरी हो। यहां कमाल की विडंबना यह होगी कि यदि हसीना को लंदन प्रवास की इज़ाजत मिल जाती है तो वे बांग्लादेश के एक अन्य निर्वासित की जगह भरेंगी, जो वहां पिछले 15 सालों से अधिक समय से रह रहा है और शायद जल्द ही वतन वापसी करे –वह है बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी की मुखिया खालिदा ज़िया का बेटा तारिक रहमान, जिसे टीनो के नाम से भी जाना जाता है। खालिदा ज़िया खुद पूर्व प्रधानमंत्री और इससे पहले सैन्य तानाशाह रहे जनरल जिया-उर-रहमान की पत्नी हैं। एक बार जब टीनो की ढाका वापसी हुई, जिसकी उम्मीद बहुत जल्द है, तो पर्दे के पीछे शक्ति केंद्र वही होंगे।

अगले कुछ हफ्ते देखने के लिहाज से रोचक होंगे –अवश्य ही हर किसी की नज़र होगी कि मुख्य सलाहकार यूनुस और बांग्लादेश सेना के बीच रिश्ता किस ढंग का बनता है। उम्मीद है

आप का नजरिया

मंडे से मंत्री बैठक तक

मंडे मीटिंग के बाद मंत्री मीटिंग की अवधारणा में सरकार का 'कार्यबल' सशक्त होगा। सरकार से सचिवालय और सचिवालय से प्रदेश के फासले अगर कम हो जाएं, तो राज्य का कदमताल, एक सुर-एक ताल बन जाए। हम पुनः ट्रैफिक सिग्नल की बंद बत्तियों को सुधारने के लिए टॉर्च लिए खड़े हैं, जबकि प्रशासनिक सुधारों के लिए चंद कदम निरंतरता के साथ उठाने चाहिएं। बेशक हर विभाग की जुबां मंत्री हो सकता है और अगर हफ्ते की निगाहों में रोशनी खोजी जाए, तो बैठकों का मकसद कार्रवाई में तबदील होगा, बशर्ते सरकार हाथी बनने के बजाय खरगोश बने। उपचार तो बहुत सुना मगर, हकीम की पुडिया नहीं मिली। हकीम शिमला में, दवाखाना राजधानी में, लेकिन मरीज प्रदेश के किसी न किसी छोर पर। बीमारियां छोटी हैं, मसले छोटे हैं, लेकिन आंख से पट्टियां नहीं खुल रहीं। सडक़ों को वाहनों की पार्किंग बनाने वाले जरूरतमंद मान लिए जाएं तो ट्रैफिक पर जारी आदेश भी क्या कर लेंगे। प्रदेश परंपराओं और अनुभव से भी चलता है। पिछले इतिहास, दस्तावेज और आधे-अधूरे विकास को पूरा करने से चलता है। उदाहरण के लिए स्कूल छुट्टियां काट चुके हैं, लेकिन बरसात की पढ़ाई जारी है। शिमला में शिक्षा विभाग के सामने पहली जुलाई से 31 अगस्त के बीच छुट्टियां देने की परंपरा में आंख पर जो पट्टी बंधी रही, वह आने वाली बारिशों के समुद्र में खुल जानी चाहिए। शिकायतें वही पुरानी और लंगर में वही पुराने लाभार्थी दाना चुग रहे हैं। किसी ने किसी न किसी प्रयास से जनता को संदेश दिया कि अबकी बार सरकार आपके द्वार पहुंच रही है। जयराम सरकार जनमंच में शिकायतों का मंचन देखती रही, लेकिन प्रशासन ने अपना हठ नहीं छोड़ा। हठ उन फाइलों में देखिए जो शिकायतों से दबी पड़ी हैं। पिछले सोमवार कहीं सचिवालय से दूर नगरोटा बगवां में जब चक्का जाम हो रहा था या बाजार बंद करके कोई नारा सरकार के कान के करीब गूंज रहा था, तो उसे किसने सुना। एक ट्रांसपोर्टर से हुई धोखाधड़ी का मुख्य पात्र इसी नगरोटा बगवां की प्रशासनिक बाहों से सुरक्षित बाहर निकलकर घूम रहा है, लेकिन पुलिस के पास यह फरियाद पहुंच नहीं रही। चौदह करोड़ का फ्रॉड अब तीस करोड़ की वसूली बन कर भी किस कानून व्यवस्था की सूली बना रहेगा। कैबिनेट रैंक तो नगरोटा बगवां के हिस्से भी आया, मगर पूरा शहर जो पुकार रहा है, उसे सुनेगा कौन। मंत्रियों की बैठक से आशाएं स्वाभाविक हैं और लोकतंत्र का सुनहरा पक्ष यही है कि नागरिक हमेशा उम्मीद पर जिंदा है। बहुत सारे मसले विभागीय समन्वय के हैं, इसलिए 'मंत्री बैठक' में दिशा, दृष्टि और प्रभावशाली दस्तखत देखने को मिल सकते हैं। मसलन पर्यटन की बात पर बिजली, पानी, परिवहन, कला-संस्कृति, पीडब्ल्यूडी तथा पुलिस महकमे का तालमेल, सारा परिदृश्य बदल सकता है। उद्योग के साथ राजस्व, वन, परिवहन, प्रदूषण, अग्निशमन व कराधान मंत्रालयों की सक्रियता, इसके अस्तित्व को मजबूत कर सकते हैं। जिन्हें हम छोटा विभाग समझते हैं, उन्हें पारंगत करती हुई बैठकें खेल गतिविधियों, सांस्कृतिक समारोहों, दुग्ध एवं मत्स्य उत्पादन तक के महत्त्व को बड़ा बना सकती हैं।

पूर्णाहुति के साथ संपन्न हुआ श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महोत्सव

धर्म की रक्षा के लिए सभी सनातनियों को एकजुट होना होगा : गोस्वामी

हैदराबाद/अयोध्या, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्रीरामचरितमानस भवन में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महोत्सव की पूर्णाहुति पर कथा व्यास आचार्य रमाकांत गोस्वामी जी महाराज ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि सनातन धर्म को आने वाले संकट से बचाने के लिए एकजुट होने की जरूरत है। इतिहास की गलतियों से सबक लेने की जरूरत है क्योंकि जो इतिहास से सबक नहीं लेता, उसके उज्ज्वल भविष्य पर भी ग्रहण लग जाता है। अयोध्या स्थित श्रीरामचरितमानस भवन में राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के सौजन्य में हो रहे श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महोत्सव में आचार्य रमाकांत गोस्वामी जी महाराज ने कहा, आज दुनिया की वर्तमान तस्वीर देख रहे होंगे। दुनिया के मौजूदा हालातों से हमें कुछ तो सबक लेना पड़ेगा। हमे इन चीजों को समझना पड़ेगा। आज भारत के तमाम पड़ोसी देश जल रहे हैं। मंदिर तोड़े जा रहे हैं। चुन-चुनकर हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है और तब भी हम इतिहास की उन परतों को ढूंढने का प्रयास नहीं कर रहे हैं कि इस प्रकार की स्थितियां क्यों पैदा हुई और इसलिए हम इससे कुछ सबक लें। जो समाज इतिहास की गलतियों से सबक नहीं सीखता है, उसके उज्ज्वल भविष्य पर भी ग्रहण लग जाता है।महाराज जी ने सनातनियों से जातिवाद के भंवरजाल से निकलने की अपील करते हुए बांग्लादेश के मौजूदा हालात का उदाहरण देते हुए कहा कि ब्राह्मण, राजपूत, यादव, मेघवाल, गुर्जर, जाट पर वहां अत्याचार नहीं हो रहे बल्कि सभी सनातनियों (हिंदुओं) को प्रताड़ित किया जा रहा है इसलिए हम सभी को एकजुट होना पड़ेगा। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के सौजन्य में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा यज्ञ महोत्सव के अंतर्गत सातवे दिवस व्यास पीठ पर विराजमान आचार्य रमाकांत गोस्वामी जी महाराज ने कहा श्रीमद्भागवत हमें मृत्यु के भय से मुक्त करती है, मोक्ष का मार्ग बताती है, मृत्यु तो सनातन सत्य है सबको आनी ही है लेकिन जो श्रद्धाभाव से भागवत की कथा सुनते हैं उन्हें मृत्यु का भय सता नहीं सकता। इसीलिए सुकदेव महामुनि से राजा परीक्षित ने भागवत की कथा सुनने के बाद कहा कि अब मुझमें मृत्यु का कोई भय नहीं रह गया क्योंकि मैं देह से उपर उठ चुका हूँ और उन्हें शुकदेव जी ने सफल श्रोता बताया था।श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह का पठन एवं श्रवण करना मनुष्य जीवन का एक दुर्लभ पुण्य कर्म है, जो भगवान की कृपा से ही मनुष्य कर पाता है। कथा श्रवण जब संत महापुरषों के पावन सान्निध्य में हो तो परम कल्याण का यह शुभ अवसर ही समझ लें। शास्त्रोक्त और विधि विधान सहित भागवत कथा का सप्ताह श्रवण करने से मनुष्य का स्वयं के साथ- साथ उसके समस्त ज्ञात-अज्ञात पितृओं का भी उद्धार हो जाता है। महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का मुख्य उद्देश्य श्रध्दालुओं के आत्मिक कल्याण, समस्त पितृ दोष का निवारण, अन्य दैवीय बाधाओं का निवारण एवं सनातन धर्म के शास्त्रोक्त विधि विधान से मानव जीवन को श्रेष्ठ दिशा देने का प्रयत्न करना है। कथा विराम के पश्चात वेदपाठी ब्राह्मणों द्वारा हवन किया गया जिसमें विश्व शांति की प्रार्थना की गई। तत्पश्चात भंडारे का आयोजन किया गया। सैकड़ों वैष्णवजनों ने प्रसाद ग्रहण किया।

श्रीरामचरितमानस भवन, अयोध्या में राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महोत्सव की पूर्णाहूति होने पर कथाव्यास आचार्य रमाकांत गोस्वामी जी महाराज से आशीर्वाद लेते हुए शुभ लाभ समाचार पत्र के सर्वेसर्वा गोपाल अग्रवाल की धर्मपत्नी पुष्पा अग्रवाल। साथ में रेणुका गुप्ता एवं पूर्णाहूति कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुगण।

इस अवसर पर कथा संयोजक डॉ. चन्द्रकला अग्रवाल, सतीश गुप्ता, आशा गुप्ता, भगतराम गोयल, सुमन लता गोयल, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, महेश अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, अमित अग्रवाल, शीतल अग्रवाल, प्रेमलता अग्रवाल (बंजारा हिल्स), विजय प्रकाश अग्रवाल, बीना अग्रवाल, रमेश चंद्र गुप्ता, सत्यभामा गुप्ता, प्रेमलता अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, अनिता शाह, राजेंद्र अग्रवाल, संतोष अग्रवाल (बगड़िया), अविनाश गुप्ता, सरिता गुप्ता, ज्ञानेन्द्र अग्रवाल, गायत्री अग्रवाल, वेद प्रकाश अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, श्रीकिशन अग्रवाल, प्रेमलता अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, आशा अग्रवाल, बबीता गुप्ता, सुनीता गुप्ता, कौशल्या गुप्ता, पुष्पा अग्रवाल, अजय गोयल एवं कविता गोयल सहित सैकड़ों वैष्णवजन उप-स्थित थे।

काचीगुडा रेलवे स्टेशन (हैदराबाद मंडल) का मनमोहक दृश्य। वर्ष 1916 में निर्मित विरासत भवन 78वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देशभक्ति के उत्साह में शानदार ढंग से रौशनी में दमकता नजर आया।

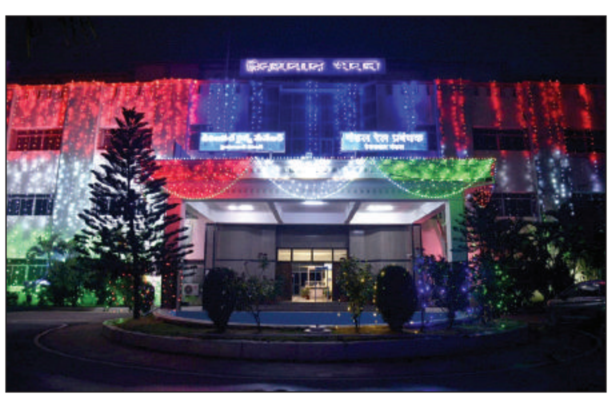

हैदराबाद भवन- हैदराबाद रेल मंडल का संभागीय मुख्यालय भवन स्वतंत्रता दिवस समारोह की पूर्व संध्या पर रंग-बिरंगी रौशनी से जगमगा उठा।

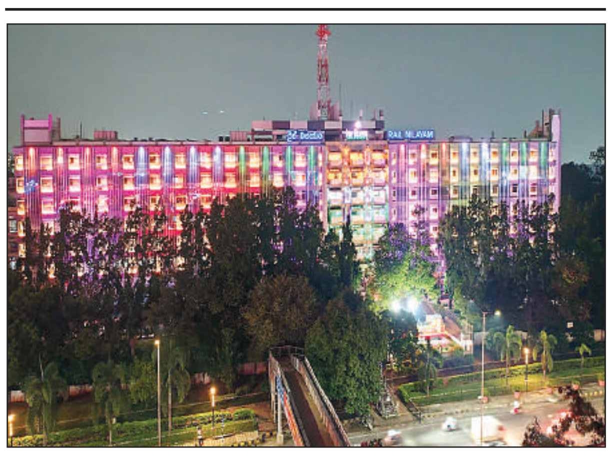

स्वतंत्रता दिवस समारोह की पूर्व संध्या पर रंग-बिरंगी रौशनी से जगमगाता दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) मुख्यालय रेल निलयम।

दक्षिण मध्य रेलवे ने मनाया विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

33 रेलवे स्टेशनों पर फोटो प्रदर्शनी का किया आयोजन

हैदराबाद, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस की परिकल्पना विभाजन से पीड़ित लाखों लोगों की पीड़ा और दर्द को सामने लाने के लिए की गई है। यह देश को मानव आबादी के सबसे बड़े विस्थापन की याद दिलाने के लिए है, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की जान भी गई थी। उसी के एक हिस्से के रूप में, दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) ने 14 अगस्त बुधवार को जोन के सभी छह डिवीजनों में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया।

इसके महत्व को ध्यान में रखते हुए, विभाजन के दौरान भारतीयों के दर्द और पीड़ा के बारे में लोगों में जागरूकता लाने के लिए दमरे के 33 रेलवे स्टेशनों पर विशेष फोटो प्रदर्शनियां लगाई गई हैं। स्टेशनों में शामिल हैं: सिकंदराबाद डिवीजन में सिकंदराबाद, हैदराबाद, बेगमपेट, हाई-टेक सिटी, मंचिर्याल, काजीपेट, वारंगल स्टेशन, हैदराबाद डिवीजन में काचीगुडा रेलवे स्टेशन, विजयवाड़ा डिवीजन में विजयवाड़ा, एलुरु, तुनी, अनाकापल्ले, भीमावरम टाउन, मछलीपट्टनम, तेनाली, बापटला, ओंगोल, गुडुर, नेल्लोर स्टेशन; गुंटूर डिवीजन में गुंटूर, नल्लापाडु, नंद्याल, नलगोंडा, मार्कपुर रोड, गिद्दलुर, विनुकोंडा, डोनाकोंडा, नरसरावपेट स्टेशन; गुंतकल डिवीजन में गुंतकल, गूटी, रेनिगुंटा स्टेशन और नांदेड़ डिवीजन में नांदेड़ स्टेशन।

सिकंदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक भरतेश कुमार जैन ने आज रेलवे अधिकारियों और जनता की उपस्थिति में सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 10 पर विभाजन की विभीषिका फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक लोकेश विश्नोई ने काचीगुडा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 01 पर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

विजयवाड़ा, गुंटूर, गुंतकल और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों ने संबंधित स्टेशनों पर विभाजन की विभीषिका फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विशेष रूप से, महान पिंगली वेंकैया की पोती पिंगली सुशीला और महान गोपाराजू वेंकट अनंत सरमा के पुत्र गोपाराजू वेंकट रघुराम, जो एक स्वतंत्रता सेनानी-सह-रेलवे सेवक थे, जिन्होंने आज़ाद हिंद फौज के लिए काम किया था विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन पर आयोजित विभाजन की भयावहता कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में सम्मानित किया गया।

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कहा कि विभाजन विभीषिका स्मरण दिवस विभाजन के पीड़ितों को सम्मानित करने और विभाजन से पीड़ित लाखों लोगों की पीड़ा पर प्रकाश डालने का एक तरीका है। महाप्रबंधक ने कहा कि विभाजन की भयावहता प्रदर्शनी का उद्देश्य भारतीयों को सामाजिक विभाजन, वैमनस्य को दूर करने और एकता, सामाजिक सद्भाव और मानव सशक्तिकरण की भावना को और मजबूत करने की याद दिलाना है।

कोलकाता के सरकारी मेडिकल कॉलेज में ड्यूटी पर तैनात एक डॉक्टर की निर्मम हत्या और उसके साथ दुष्कर्म के खिलाफ एकजुटता व्यक्त करने के लिए बुधवार 14 अगस्त को सेंट्रल हॉस्पिटल लालागुड़ा हैदराबाद परिसर में एक कैंडल मार्च निकाला गया। मुख्य स्टाफ सर्जन, फैकल्टी डॉक्टर, डीएनबी डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ और अन्य सहायक कर्मचारियों ने काले बैज पहनकर एकजुटता विरोध प्रदर्शन में भाग लिया।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

माता पिता की भक्ति करना ही मानव का मूल सिद्धांत है : देवेंद्रप्रभाजी म.सा

हैदराबाद, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कलिकाल सर्वज्ञ पूज्य जेष्ठमलजी म.सा की अनुकम्पा से राजस्थान केसरी उपाध्याय पूज्य पुष्करमुनिजी म.सा, श्रमण संघीय आचार्य पूज्य डॉ. शिवमुनिजी म.सा, महाश्रमण पूज्य जितेंद्रमुनिजी म.सा की आज्ञानुवर्तिनी जिनशासन चंद्रिका पूज्य गुरुणीमैया शीलकुंवरजी म.सा, जिनशाशन गौरव तत्व चिन्तामणि गुरुणीमैया चन्दनबालाजी म.सा की सुशिष्या धवल यशस्वी चरित्र चिन्तामणि साध्वीरत्ना देवेंद्रप्रभाजी म.सा, साध्वी धर्मज्योतिजी म.सा, नवदीक्षित साध्वी प्रियांशश्रीजी म.सा आदि ठाणा 3 का शासनोत्कर्ष वर्षावास 2024 के अंतर्गत जैन श्री संघ मलकपेट के तत्वावधान में बम्ब सिंघी भवन में सुख साता पूर्वक विराज रहे हैं।

आज यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति में महिला समिति की ज्ञानाबाई कोठरी ने बताया कि पुष्कर शील चन्दन दरबार मे साध्वी धर्मज्योतिजी म.सा ने अपने उदबोधन में कहा कि मानव जीवन में दो शब्दों का बहुत महत्व होता है और वो है श्रवण और आचरण। हमारे सामने चार गति है और इन गति में कौन श्रवण करता है और कौन आचरण करता है। नारकी के जीव अधरलोक के अंदर है और उनमे न तो श्रवण और न ही आचरण करने की क्षमता होती है। देवता जो ऊपर देवलोक में है जो उध्रलोक में है पर जैन आगमो के अनुसार देवता तीनो लोक में होते है। अधरलोक, मर्ध्यलोक व उध्रलोक। देवता लोग प्रभु की वाणी को श्रवण करते है और उसी वाणी को अपने जीवन मे आचरण में लेते है। उसी तरह त्रियंच जीव के अंदर भगवान की वाणी श्रवण करने की क्षमता होती है और उसे थोड़ा बहुत अपने जीवन आचरण करते है। श्रावक के बहारा व्रत है और इनमें एग्गयर व्रत त्रियंच जीव भी पालन और अंगीकार करते है। मानुष एक ऐसा जीव है जो श्रवण भी कर सकता है और आचरण भी कर सकता है।

साध्वीरत्न श्री देवेंद्रप्रभाजी म.सा ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज हमे यह चिंतन करना है कि हमारे सामने चार प्रकार की गतिया है। उनमे से मुख्य रूप से देव गति और मनुष्य गति को माना जाता है। देव गति के अंदर आत्मा गति तो कर सकता है पर प्रगति नही कर सकते है। मानुष गति में अंदर दोनों ही गति और प्रगति करने की समता होती है। देव गति के अंदर मानव आगे नही बड़ सकता है क्यों कि मानव व्रती होते है और देवता अवर्ती होते है। माता पिता की भक्ति करना ही मानव का मूल सिद्धांत है। माता पिता के संतान पर अनंत उपकार होते है। धर्म सभा का संचालन करते हुवे संघ के मंत्री ने धर्म सभा मे पधारे सभी श्रावक-श्राविकाओ का स्वागत किया।

केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने बुधवार 14 अगस्त को मुशीराबाद डिवीजन में विकास कार्यक्रमों जैसे ड्रेनेज पाइपलाइन, सीसी रोड कार्य में भाग लिया। कार्यक्रम में सांसद लक्ष्मण और विधायक मुथा गोपाल भी शामिल हुए।

बेगमपेट हल्दीराम होटल में कृष्ण सखी मंडल द्वारा 15 अगस्त मनाया गया। इस अवसर सपना गुप्ता, पिंकी, उर्मिला, सुनीता, अनीता, नीति, प्रमिला, उमा, वनिता, सोनिया, पूजा, प्रीति व अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

केबीआर पार्क में इच्छा पूर्ति गणेश की पूजा आयोजित

हैदराबाद, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बंजारा हिल्स स्थित केबीआर पार्क के इच्छा पूर्ति गणेश भगवान की पूजा 15 वर्ष से हर बुधवार को की जाती है। उसके अनुसार इस बुधवार को भी पूजा अर्चना की गई। उसके पश्चात् आरती एवं प्रसाद का कार्यक्रम आयोजित किया गया। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा कार्यक्रम के संयोजक राजेंद्र कुमार अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि पार्क में सवेरे आने वाले प्रायः सभी लोग गणेश जी की पूजा-आरती में सम्मिलित होते हैं तथा अंत में सभी में प्रसाद बाँटा जाता है। यह पूजा की सेवा पिछले कई वर्षों से की जाती है। आज की सेवा में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, विट्ठल दास अग्रवाल, राहुल सिंघल, पी.सी. जैन, विजय कुमार अग्रवाल, मोहन मित्तल, विजय तुंबी, अशोक लाखोटिया, अशोक कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदेव, सुभाष कुमार अग्रवाल, शंकरलाल अग्रवाल, विनोद टिकमानी, आदि उपस्थित रहे।

उस्मान शाही व्यापारी संघ ने बुधवार को बांग्लादेश में हिंदुओं के नरसंहार के विरोध में उस्मानशाही गुरुद्वारा में मोमबत्ती मार्च रैली का आयोजन किया। राकेश जायसवाल नगरसेवक जामबाग, जी शंकर यादव नगरसेवक बेगमबाजार, पांडु यादव गोलकोंडा जिला अध्यक्ष, लालसिंह नगरसेवक गोशामहल, कृष्णा, रघुनंदन यादव, नितिनानंदकर, शेखर, आनंद, कई भाजपा नेता और कार्यकर्ता कार्यक्रम में शामिल हुए।

दमरे आरपीएफ के दो कर्मी प्रतिष्ठित पुलिस पदक से सम्मानित किए गए

हैदराबाद, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दक्षिण मध्य रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के दो कर्मियों को उनकी उत्कृष्ट और सराहनीय सेवाओं के लिए 78वें स्वतंत्रता दिवस- 2024 के अवसर पर प्रतिष्ठित भारतीय पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। पुरस्कार पाने वालों में जे. सुधाकर, सहायक उप-निरीक्षक, कामारेड्डी, आरपीएफ/हैदराबाद डिवीजन और नईम बाशा शेख, सहायक उप-निरीक्षक, एडीएम सेल, आरपीएफ/विजयवाड़ा डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे हैं।

दमरे महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने ज़ोन के आरपीएफ कर्मियों द्वारा प्राप्त मान्यता पर खुशी व्यक्त की, उन्होंने कर्तव्य के प्रति उनकी उत्कृष्टता और समर्पण की सराहना की और विश्वास जताया कि आरपीएफ रेल को सुरक्षा प्रदान करने के अपने प्राथमिक कर्तव्य में उत्कृष्टता जारी रखेगा। उन्होंने कर्मचारियों से सेवा में उत्कृष्टता के साथ मान्यता अर्जित करने के लिए उपलब्धि हासिल करने वालों का अनुकरण करने का आह्वान किया।

जे. सुधाकर वर्तमान में कामारेड्डी चौकी के सहायक उप-निरीक्षक/आरपीएफ प्रभारी के रूप में कार्यरत हैं। वह 33 वर्षों से अधिक समय तक एक उत्कृष्ट अपराध अन्वेषक रहे हैं और उन्होंने रेलवे के कई अपराधों को सुलझाया है। अपराध का पता लगाने में उनके अभिनव दृष्टिकोण से चोरी की गई रेलवे संपत्ति, यात्रियों के सामान की चोरी और दलाली के मामलों की भारी बरामदगी हुई। उन्होंने वर्ष 2018 में यात्री सामान की उच्च मूल्य की चोरी मामलों में हरियाणा गिरोह का भंडाफोड़ करने में प्रमुख भूमिका निभाई। उन्होंने वर्ष 2019 और 2020 में 14 अपराधों में 23.2 तोला सोना और 06 लैपटॉप सहित 12,00,000 रुपये की नकदी की बरामदगी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने सीसीटीवी प्रणाली के माध्यम से 9.06 लाख रुपये के उच्च मूल्य के मामले का भी पता लगाया था। वह सिकंदराबाद डिवीजन के अग्निपथ के जांच अधिकारियों की सहायता के लिए विशेष जांच दल में थे और अग्निपथ योजना में रेलवे अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत 393 उपद्रवियों को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने 40 से अधिक आरपी (यूपी) अधिनियम के मामले दर्ज किए थे, 25 बाहरी लोगों की गिरफ्तारी के साथ 1,24,300 रुपए जब्त किए थे। शेख नईम बाशा, सहायक उप-निरीक्षक, विश्लेषणात्मक डेटा प्रबंधन सेल, विजयवाड़ा डिवीजन ने रेलवे सुरक्षा बल में 28 वर्षों की विशिष्ट और सराहनीय सेवा दी है। वह वर्ष 1995 में कांस्टेबल के रूप में बल में शामिल हुए और ईमानदारी और समर्पण के साथ एएसआई, आरपीएफ के पद तक पहुंचे। उन्होंने कांस्टेबलों और उप-निरीक्षकों की आरपीएफ भर्ती समितियों, आरपीएफ/आरपीएसएफ में इंस्पेक्टर/उप-निरीक्षक (कार्यकारी) की सहायक स्टाफ भर्ती और उम्मीदवारों के डेटा तैयार करने और रिकॉर्ड समय में प्रक्रिया को पूरा करने में एचसी, एए-सआईएस और एसआईएसपीएफ के प्रचार पाठ्यक्रमों की सहायता की। बिना किसी शिकायत के जिसके लिए सभी भर्ती समितियों के अध्यक्ष/सदस्यों द्वारा उनकी सराहना की गई। उन्हें रेलवे यात्रियों (अप्रिय घटना के तरीके) 2020 के दौरान निपटने का काम सौंपा गया है। उनके कार्यकाल में 530 दावा जांच मामले डीआरएम के साथ एससीआर की दावा शाखा को अनुमोदन के लिए भेजे गए थे। रेलवे में इन मामलों की सुनवाई के दौरान उनका विश्लेषण और व्याख्यात्मक नोट्स काफी उपयोगी रहे।

केंद्रीय मंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर सभी से अपने घर पर तिरंगा झंडा फहराने का अनुरोध किया। हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत उन्होंने बुधवार को हैदराबाद के नामपल्ली में अपने घर पर तिहरा झंडा फहराया।

ज्योतिष
ASTROLOGY
नाकोड़ा भैरव ज्योतिष
(जय जिनेन्द्र) मारवाड़ी, गुजराती महाराज, माजिशा भक्त हस्तरेखा, जन्माक्षर, पूजा-पाठ, संतान प्राप्ति, शारीरिक पीड़ा, मानसिक पीड़ा, व्यापार, सगाई, लग्न विलंब, शत्रुनिवारण, प्रेम समस्या, कर्ज मुक्ति, गृहक्लेश आकर्षण प्रयोग, पतिवश, सास-बहू झगड़ा, एकतरफा प्रेम (वशीकरण के जानकार) जीवन की जटिल समस्याओं का A+Z समाधान। बेगम बाजार, हैदराबाद.
संपर्क : 9032460847.

किशनगढ़ में एचडीएफसी बैंक के एटीएम में लूट

अजमेर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में अजमेर जिले की मार्बल सिटी किशनगढ़ में लुटेरों ने बुधवार को एक निजी बैंक के एटीएम को लूट लिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार गांधीनगर थाना क्षेत्र स्थित किशनगढ़ मार्बल सिटी हॉस्पिटल के बाहर लगे एचडीएफसी बैंक के एटीएम को लूट लिया। लुटेरे कार में सवार होकर आये और पहले वहां लगे सीसीटीवी कैमरों को तोड़ा। उसके बाद गैस कटर के जरिए एटीएम मशीन को काट कर उसमें रखी नकदी लूट ली।मशीन में करीब चार लाख 73 हजार रुपये थे। घटना आज तड़के करीब चार बजे की बताई जा रही है।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, MUDUNURU ANUSHA is legally spouse of No- 14448277A, Rank - HAV, Name SURESH KUMAR KUTCHARLAPATI, residing at H.No-6- 15, Madya Veedhi, Vill, PO & Teh- Merakamudidam, Dist- Vizianagaram, A.P,. I have changed my Name from **MUDUNURU ANUSHA** to **KUTCHARLAPATI ANUSHA** for all purpose vide affidavit dated: 14/08/2024.

CHANGE OF NAME
I, Ajay Kumar Singh S/o Ram Janam Singh R/o Vill-Chaukhara, PO-Dhanganw, PS-Lesliganj, District-Palamu,PIN-822118,State-Jharkhand, have changed my son name from UTTAM KUMAR to UTTAM KUMAR SINGH add in my service documents vide affidavit date 13/08/2024 before Notary C Samuel Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Ajay Kumar Singh S/o Ram Janam Singh R/o Vill-Chaukhara, PO-Dhanganw, PS-Lesliganj, District-Palamu,PIN-822118, State-Jharkhand, have changed my daughter name from JANVI KUMARI to JANHVI KUMARI add in my service documents vide affidavit date 13/08/2024 before Notary C Samuel Advocate Secunderabad.

CHANGE OF DOB
I, SOLLAMUTHU, Father of PRABU S, resident of Village - Ayyanarkulam, post-Ayyanarkulam, Teh- Alangulam, Dist -Tenkasi, State-Tamilnadu PIN-627853, have Changed My DOB **20-APR 1963** to **01-JAN 1963**, respectively Vide Affidavit Dated. 08 AUG-2024 before High Court of Telangana State Notary

CHANGE OF NAME
I, No: IC-63903M, Rank: Col, Name: Varun Singh Malhan S/o Sukhbir Singh R/o Prem Nagar Village, Bhiwani, Haryana; Unit 515 ASC Bn C/o 56 APO of Amritsar, Punjab do hereby declare that my daughter namely Ridhii Malhan is a student of a Class XI in The Senior Study II, G.T Road Putlighar, Amritsar that the name of my daughter is mistakenly recorded/ spelled as **RIDDHI MALHAN** instead of her correct name which is **MS RIDHII MALHAN**. Now, I am applying for correction. Objection if any may convey to concerned authority within 7 days

CHANGE OF NAME
I, No.JC 733796N Sub Sahabuddin Rahaman of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my daughter name is changed from **RESHMA PRAVIN** to **RIFA SANIYA**.

CHANGE OF NAME
I, NO.JC 733346W Sub Babloo Prasad of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my mother name is changed from **RUP JHARU DEVI** to **RUPJHARO DEVI**

CHANGE OF NAME
I, No.JC 733211P Sub Virendra Kumar Saroj of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my daughter name is changed from **KUMARI SHREJAL SAROJ** to **SHREJAL SAROJ**.

CHANGE OF NAME
I, No.JC 734366W Sub Samaresh Patra of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my daughter name is changed from **KUMARY SAMPA PATRA** to **SOMPA PATRA**.

CHANGE OF NAME
I, NO.JC 733346W Sub Babloo Prasad of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my daughter name is changed from **KUMARI PREETI** to **PREETI**.

CHANGE OF NAME
I, No.JC 732424W Sub Parveen Kumar of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my mother name is changed from **KANTA DEVI** to **KANTA**.

CHANGE OF NAME
I, B.VANAJAKSHI spouse of No.JC 733259H Sub BodduSekhar, R/o. Vill& Po: Golabandha, Teh:Brahmapur, Dist:Ganjam, Odisha-761052 have changed my name from **B.VANAJAKSHI** to **BODDU VANAJAKSHI** vide affidavit dt:14-8-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

अग्रवाल समाज अत्तापुर शाखा की सैर सम्पन्न

हैदराबाद, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज अत्तापुर तेलांगना की सावन की सैर रविवार को सनराइज फार्म हाउस मोइनाबाद में बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई। इस बाबत जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम का शुभ आरंभ सर्वप्रथम भगवान श्री अग्रेसेन महाराज की पूजा अर्चना के पश्चात गणेश वंदना छोटे बालको द्वारा नृत्य के माध्यम से शुरू हुई। सावन की सैर के संयोजन अंकुर बंसल के अनुसार सावन की सैर में करीब 240 समाज बंधु, महिलाएं एवं बालक, बालिकाओं ने कार्यक्रम का आनंद लिया।

गणेश वंदना के पश्चात् महिला विंग द्वारा सांस्कृतिक एवं खेलकूद का अयोजन नंदा अग्रवाल, दिव्या पित्ती, निधि अग्रवाल द्वारा बालको को म्यूजिकल चेयर बालिकाओं के लिए सेवन स्टोन, रस्सा खीच का आयोजन किया गया। पुरुषो के लिए क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ततपश्चात तंबोला का आयोजन किया गया। सभी विजेताओं पुरस्कार के आयोजक हनुमान अग्रवाल द्वारा पुरस्कृत किया गया। आए हुए सभी बंधुओ, महिलाएं एवम बालक बालिकाओं ने खेल खुद, स्विमिंग एवम झूलो का भरपूर आनन्द लिया। समाज द्वारा सुबह ब्रेकफास्ट, वेलकम ड्रिंक, दोपहर भोजन तत्पाशत, हाई टी एवम रात्रि भोजन के साथ सावन की सैर संपन्न हुई। सभी का सहयोग इस आयोजन में भरपूर रहा। सैर में बद्रीप्रसाद सरायवाले (अध्यक्ष), श्रवन केडिया (उपाध्यक्ष), अशोक जालान (मंत्री), अंकुर बंसल (सह मंत्री), संजय गोयल भालवाले (कोषाध्यक्ष), हनुमान दास अग्रवाल भालवाले (के एस), श्याम अग्रवाल (के एस), राम अवतार गुप्ता (पूर्व अध्यक्ष), मनीष अग्रवाल (परामर्श दाता), कार्यकारिणी सदस्य अभिषेक अग्रवाल, लोकेश पित्ती, राजेंद्र अग्रवाल एवम समाज के गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। आज आप सामाजिक कार्यों पर ज़्यादा ध्यान देंगे और ज़रूरतमंदों की मदद करने की कोशिश करेंगे। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। नए संपर्क बनाने और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए की गयी यात्रा फलदायी साबित होगी। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। व्यवसाय में किसी धोखेबाज़ी से बचने के लिए अपने आँख–कान खुले रखें।
अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आप अपने जीवनसाथी को समझने में आपसे ग़लती हो सकती है, जिसकी वजह से सारा दिन उदासी में गुज़रेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज अपने घर के उन सदस्यों से दूर रहना चाहिए जो आपसे पैसा मांगते हैं और फिर लौटाते नहीं हैं। सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। अगर आप अपने घर से बाहर रहकर अध्ययन या नौकरी करते हैं तो आज के दिन आप खाली समय में अपने घर वालों से बात कर सकते हैं। घर की किसी खबर को सुनकर आप भावुक भी हो सकते हैं। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद रोमानी होने वाला है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम–संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। कार्यक्षेत्र में बेहतर काम करने के लिए अपनी क्षमताओं को मांजने की कोशिश करें। अगर आप किसी विवाद में उलझ जाएँ तो तल्ख़ टिप्पणी करने से बचिए। पड़ोसियों का दख़ल शादीशुदा ज़िन्दगी में दिक़्क़त पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप व आपके जीवनसाथी के बीच का बंधन बहुत मज़बूत है और इसे तोड़ना आसान नहीं है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक़्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। घर में तालमेल बनाए रखने के लिए साथ में मिलकर काम करें। हालांकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है किसी भी तरह की साझीदारी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदरूनी भावना की बात ज़रूर सुनें। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे– साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ एक आरामदायक दिन बीतेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आज कार्यक्षेत्र में अचानक आपके काम की छानबीन हो सकती है। ऐसे में अगर आपने कोई गलती की होगी तो आपको इसका भुगतान करना पड़ सकता है। इस राशि के कारोबारी आज अपने कारोबार को नई दिशा देने के बारे में विचार कर सकते हैं। जीवन साथी की किसी बात को गंभीरता से न लेने की स्थिति में विवाद हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। पारिवारिक सदस्यों से मतभेद ख़त्म कर आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति आसानी से कर सकते हैं। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएँ गड़बड़ा सकती हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के ज़रिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली–भांति जाँच–पड़ताल कर लें। पारिवारिक मोर्चे पर समस्याएँ मुँह बाए खड़ी हैं। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों की अनदेखी आपको सबकी नाराज़गी की केंद्र बना सकती है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप घूमने–फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। दिन चढ़ने पर किसी पुराने दोस्त से सुखद मुलाक़ात होगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ शतरंज खेल सकते हैं, वर्ग–पहेली हल कर सकते हैं, कोई कविता–कहानी लिख सकते हैं या भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। किसी पड़ोसी, दोस्त या रिश्तेदार की वजह से वैवाहिक जीवन में अनबन मुमकिन है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज खाली वक़्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। ज़िन्दगी बहुत ख़ूबसूरत नज़र आएगी, क्योंकि आपके जीवनसाथी ने आपके लिए कुछ ख़ास योजना बनाई है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे– इसलिए निगाहों में बने रहने के लिए अपना काम अच्छी तरह से करें। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के काम करने के लिए अच्छा दिन है। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। आपको चिंतामुक्त होकर अपने क़रीबी दोस्तों और परिवार के बीच ख़ुशी के लम्हे तलाशने की ज़रूरत है। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। वक़्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक़्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 15 अगस्त 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी प्रातः 10:28 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा दोपहर 12:53 तक
योग : वैधृति दोपहर 02:58 तक
करण : गर प्रातः 10:28 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक दोपहर 12:53 तक
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07, सूर्यास्त 06:40 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:33 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:51, सूर्यास्त 06:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भारतीय स्वतंत्रता दिवस 78 वां , पारसी नववर्ष 1394 आरंभ , भद्रा रात्रि 10:10 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जनजातीय क्षेत्रों में विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर किया जाए काम : बागडे

जयपुर, 14 अगस्त (एजेंसियां)।

राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने जनजाति क्षेत्रों के विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करने के निर्देश दिए हैं।श्री बागडे बुधवार को राजभवन में जनजातीय क्षेत्र विकास विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जनजाति क्षेत्र विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आदिवासी क्षेत्रों के विकास के अंतर्गत सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और अन्य विकास योजनाओं से जुड़े विभागों की स्वयं मॉनिटरिंग करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनजाति क्षेत्र विकास विभाग का दायित्व केवल जनजातीय विकास विभाग की योजनाओं का क्रियान्वयन ही नहीं है बल्कि जनजातीय क्षेत्र के समग्र विकास की जवाबदेही उनकी है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार के विकास लक्ष्यों को समयबद्ध पूरा करने के साथ ही जनजातीय क्षेत्रों की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने पर जोर दिया है।उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों के बच्चों की पढ़ाई, उनकी छात्रवृत्ति, आवास योजनाओं और वहां पर काश्तकारों के बारे में बिंदुवार जानकारी ली। बैठक में जनजाति विकास विभाग मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों और योजनाओं के बारे में जानकारी दी। राज्यपाल ने जन धन योजना के तहत खोले गए खातों, हर घर जल के तहत लाभान्वित परिवारों, प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के तहत कृषि विकास के लिए किए कार्यों, हर गांव में पक्की सड़क निर्माण की प्रगति, गांवों में आरोग्य सेवाओं की स्थिति, आयुष्मान भारत योजना आदि के क्रियान्वयन के बारे में जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि इन सभी योजनाओं का व्यावहारिक रूप में प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। उन्होंने कहा कि केवल लक्ष्य पूर्ति के लिए ही कार्य नहीं हो बल्कि यह भी देखा जाए कि आदिवासी क्षेत्र के लोगों को वास्तविक रूप में विकास योजनाओं का लाभ मिले। उन्होंने जनजाति क्षेत्र विकास विभाग को आदिवासी गांवों में सामुदायिक चिकित्सा सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के साथ ही वहां पर टीबी और कैंसर जांच शिविर आयोजित करवाने और टीबी और कैंसर मुक्त जनजातीय क्षेत्र के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

श्री बागडे ने आदिवासी क्षेत्रों में उद्यमिता और कौशल विकास के लिए भी विशेष प्रयास किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में प्राकृतिक वनस्पति उत्पादों का प्रभावी विपणन किया जाए। प्रयास किया जाए कि आदिवासी क्षेत्रों के लोगों द्वारा उत्पादित उत्पाद ही प्रदेश में अधिकाधिक उपयोग किए जाएं और इससे स्थानीय स्तर पर जीवन स्तर में वृद्धि हो। उन्होंने कहा कि भविष्य में राजभवन में आदिवासी क्षेत्र निर्मित उत्पादों का ही उपयोग किया जाए। जनजाति क्षेत्र विकास विभाग के अधिकारियों ने राज्यपाल को आदिवासी क्षेत्र में रोजगार गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए वहां के लोगों के कौशल और निर्मित उत्पादों के बारे में भी जानकारी दी।

इससे पहले जनजाति क्षेत्र विभाग के सचिव जोगाराम ने बताया कि आदिवासी क्षेत्रों में 53 आश्रम आवासीय विद्यालय खोले गए हैं। उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों में खोले गए छात्रावास और एकलव्य आवासीय विद्यालयों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि विभिन्न स्तरों पर राज्य सरकार निरंतर यह प्रयास कर रही है कि आदिवासी क्षेत्रों का प्रभावी विकास हो।

आजादी के साथ देश को विभाजन की विभीषिका भी झेलनी पड़ी : सैनी

कुरुक्षेत्र, 14 अगस्त (एजेंसियां)। आजादी के साथ–साथ हमारे देश को विभाजन की विभीषिका भी झेलनी पड़ी, जिसमें लाखों लोगों को जान गंवानी पड़ी। बच्चों से लेकर महिलाओं को भी अनेक यातनाएं झेलनी पड़ी। पूर्वजों के परिवारों ने लंबे समय तक इस विभीषिका का दर्द झेला है, लेकिन न रूके और न झुके। वे समाज व देश के विकास में अहम भूमिका निभाते रहे। ये विचार मुख्यमंत्री नायब सैनी ने व्यक्त किए। वे अनाजमंडी में आयोजित विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने विभाजन के दौरान जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आज का दिन भारत देश के बंटवारे का दुखद दिन है। यह ऐसा समय था, जो न केवल गहरे जख्म दे गया बल्कि इसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उस समय हुए मंजर को देख आज भी हर किसी की रूह कांप उठती है। बंटवारा ऐसा हुआ कि लोग न केवल अपने घर, कारोबार छोड़ने पर मजबूर हुए बल्कि लाखों लोगों की जान भी चली गई। यह सब एक अंग्रेज अधिकारी रेड क्लिफ की देन रही, जिन्होंने भारत व पाकिस्तान के बीच रेखा खींच दी। आज इसी विभीषिका से देश का आधा साहित्य भरा हुआ है, लेकिन यह दिन आपसी भाईचारे का भी संदेश देता है। जिससे सीख लेते हुए हमें आगे बढ़ना है।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान कुरुक्षेत्र के गांव मसाना में इन लोगों की स्मृति में बनाए जा रहे पंचनद स्मारक के लिए 51 लाख रुपये देने की भी घोषणा की। समारोह के दौरान पंचनद समारक ट्रस्ट के राष्ट्रीय संयोजक महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव, राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने भी संबोधित किया जबकि इस दौरान शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा, रतिया के विधायक लक्ष्मण नापा, महंत तरूण दास, महंत महेश गिरी सहित ट्रस्ट के पदाधिकारी व अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर आयोजित हुई श्रद्धांजलि सभा

इस सनातन राष्ट्र को एकजुट होना ही होगा : योगी

लखनऊ, 14 अगस्त (एजेंसियां)। देश इतिहास के काले अध्यायों को स्मरण कर रहा है। इतिहास केवल अध्ययन का विषय नहीं होता है, बल्कि वह गलतियों के परिमार्जन और गौरवशाली क्षणों से प्रेरणा ग्रहण करने का संकल्प होता है। आखिर क्या कारण था कि हजारों हजार वर्षों से सनातन राष्ट्र रहा भारत गुलाम हुआ। विदेशी आक्रांताओं ने यहां की परंपरा-संस्कृति को रौंदा और देश को गुलाम बनाया गया। क्रांतिकारियों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने देश को स्वतंत्र कराने की दिशा में विदेशी हुकूमत को उखाड़ फेंकने के संकल्प के साथ आजादी की लड़ाई लड़ी थी। जब उसकी पूर्णता का समय आया तो इस सनातन राष्ट्र को विभाजन की त्रासदी का सामना करना पड़ा।

उक्त बातें मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। वे बुधवार को लोकभवन में आयोजित विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए। विभाजन विभीषिका पर आधारित लघु फिल्म के जरिए आमजन का दर्द दिखाया गया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जो किसी युग में नहीं हुआ, वह कांग्रेस की सत्ता के प्रति अभिलिप्सा ने विभाजन की त्रासदी के रूप में प्रस्तुत किया और स्वतंत्र भारत को ऐसा नासूर दे दिया, जिसका दंश आज भी भारत आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद के रूप में झेल रहा है। यदि तत्कालीन राजनीतिक नेतृत्व ने दृढ़ता का परिचय दिया होता तो दुनिया की कोई ताकत इस अप्राकृतिक विभाजन को मूर्त रूप नहीं दे पाती। येन-केन प्रकारेण सत्ता प्राप्त करने के लिए कांग्रेस ने देश को दांव पर लगा दिया गया। 1947 और इसके बाद से यह लगातार हो रहा है। जब भी इनके हाथ में सत्ता में आई, इन लोगों ने देश की कीमत पर राजनीति की। इसकी कीमत जनता को लंबे समय तक चुकानी पड़ी है। विभाजन की दुर्भाग्यपूर्ण त्रासदी हम सबको उन्हीं गलतियों की परिमार्जन की तरफ ध्यान आकृष्ट करती है।

सीएम योगी ने कहा कि भारत बल-बुद्धि, विद्या में दुनिया का नेतृत्व करने का सामर्थ्य रखता था। 16वीं सदी तक भारत का वैभव दुनिया में अग्रणी था। दुनिया की अर्थव्यवस्था के आधे भाग का नेतृत्व अकेले भारत करता था। यह तब था, जब देश कई सौ वर्षों तक लगातार विदेशी आक्रांताओं के आक्रमण को झेल रहा था। 14 अगस्त 1947 को देश के विभाजन की त्रासदी हो रही थी। 15 अगस्त 1947 को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा तिरंगा फहराकर कांग्रेस नेता आजादी का जश्न मना रहे थे, तब लाखों लोग अपनी मातृभूमि व परिवार को छोड़ने को मजबूर हो रहे थे। उस समय के अमानवीय अत्याचार किसी से छिपे नहीं हैं। दुनिया का सबसे समृद्धतम देश 1947 तक आते-आते दरिद्र देश में बदल गया था। हमारी कुछ कमजोरियों ने आक्रांताओं को देश के अंदर आक्रमण करने के लिए स्थान दिया।

सीएम योगी ने कहा कि जो गलतियां इतिहास के काले अध्याय के रूप में हमारे सामने कैद हैं, वही गलतियां चुनाव के समय राजनीतिक दल करते हैं। जो पहले जातिवाद के नाम पर होता था, वही कारनामे आज राजनीतिक दलों के स्तर पर किए जा रहे हैं। जातीयता का नग्न तांडव करके उसी विभाजन की ओर ले जाने की कुत्सित चेष्टा की जा रही है। परिणाम फिर वही है। चेहरे- तिथि बदली है, लेकिन घटनाओं का स्वरूप वही है। सीएम योगी ने कहा कि 1947 के पहले महर्षि अरविंद ने उद्घोषणा की थी कि आध्यात्मिक जगत में पाकिस्तान कोई वास्तविकता नहीं है। उसका भारत में विलय होगा या पाकिस्तान हमेशा के लिए समाप्त होगा। आध्यात्मिक जगत में जिसका वास्तविक अस्तित्व नहीं है, उसे नष्ट ही होना है। जाति, क्षेत्रीय, भाषाई विभाजन से उबरकर हमें राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य करना होगा।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के आभारी हैं, जिन्होंने इतिहास के काले अध्यायों से पर्दा उठाकर गलतियों के परिमार्जन के लिए रास्ता बनाने का आह्वान किया है। हमें इसी आह्वान के साथ जुड़ना है। जो 1947 में हुआ, वही आज पाकिस्तान और बांग्लादेश में हो रहा है। उस समय 10 लाख हिंदू-सिख काटे गए थे, आज भी वही आगजनी, तोड़फोड़, लूटपाट, बहन-बेटियों संग अत्याचार, त्रासदी का दृश्य देख रहे हैं। डेढ़ करोड़ हिंदू बांग्लादेश में आज अस्मिता बचाने को चिल्ला रहे हैं। दुनिया और भारत के कथित सेक्युलरिस्ट के मुंह आज भी सिले हैं, क्योंकि इन्हें वोट बैंक की चिंता है। इनकी मानवीय संवेदना मर चुकी है। इन्होंने आजादी के बाद बांटो और राज करो की राजनीति को प्रोत्साहित किया है। इन लोगों ने अंग्रेजों से सत्ता प्राप्त की, लेकिन यह भारत की सत्ता का नेतृत्व नहीं कर रहे थे, बल्कि ब्रिटिशर के मानस पुत्रों के रूप में इन्होंने सत्ता का संचालन किया। उसी का दुष्परिणाम अखंड हिंदुस्तान ने चुकाया है।

सीएम योगी ने कहा कि भारत सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की जननी भी है। भारत ने नागरिकों को जितनी स्वतंत्रता दी है, ऐसी स्वतंत्रता किसी भी देश में नहीं है। हमें संविधान पर गौरव और इसके निर्माताओं के प्रति सम्मान का भाव प्रकट करना चाहिए। सरदार वल्लभ भाई पटेल की दृढ़ता का सम्मान और बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को शत-शत नमन करना चाहिए, जिन्होंने अपनी पीड़ा को दबाने के बावजूद हमें संविधान प्रदान किया। भारत की आजादी के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले नायकों के प्रति श्रद्धा का भाव व्यक्त करना होगा।

सीएम योगी ने कहा कि 2047 में शताब्दी महोत्सव के समय भारत विकसित, शक्तिशाली, सशक्त होगा। ऐसे सशक्त भारत के निर्माण के लिए पीएम ने आजादी के अमृत महोत्सव में पंच प्रण की बात की थी। उसमें से सबसे महत्वपूर्ण नागरिक कर्तव्य का हम सभी को पालन करना होगा। राष्ट्रप्रथम के भाव के साथ काम करना होगा। यह जीवन का संकल्प बनेगा तो भारत को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनने में देर नहीं लगेगी। पिछले दस वर्ष में भारत की प्रगति दुनिया को अचंभित करती है। भारत सुरक्षित है तो विश्व मानवता सुरक्षित है। दस वर्ष पहले भारत दसवीं, आज पांचवीं और अगले तीन वर्ष के अंदर भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जाति, क्षेत्र, भाषा के नाम पर विभाजन करने वाले उन ताकतों से सतर्क रहकर एक भारत, श्रेष्ठ भारत के बारे में सोचना होगा। विभाजन त्रासदी के लिए कांग्रेस जिम्मेदार है। इस त्रासदी और समय-समय पर धोखे के लिए कांग्रेस जनता से माफी नहीं मांगेगी। कांग्रेस को जब भी अवसर मिला, लोकतंत्र का गला घोंटने का प्रयास किया। 1975 इसका उदाहरण है। नागरिकों ने जब भी अधिकारों की बात की तो कांग्रेस ने देश में भाषाई, क्षेत्रीय विवाद, हिंदुओं-सिखों को लड़ाने का पाप किया। इसके लिए कांग्रेस को कभी माफ नहीं किया जा सकता है।

सीएम योगी ने कहा कि आज भी ननकाना साहिब में गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर नगर कीर्तन की अनुमति नहीं मिलती है। सिंध तो हिंदू बाहुल्य था, सिंधी बाहुल्य राज्य है। उसे पाकिस्तान के अंदर क्यों जाने दिया गया। 1947 में बांग्लादेश में 22 फीसदी हिंदू थे, आज घटकर 7-8 फीसदी रह गए है। एक सप्ताह पहले बांग्लादेश के चटगांव में लाखों हिंदू जुटकर दुनिया के सामने गुहार लगा रहे थे। बांग्लादेश के अंदर रहकर भी नरपिशाचों के सामने अपनी परवाह किए बिना वर्तमान व भावी पीढ़ी को बचाने के लिए हिंदुओं ने दुनिया को वास्तविक चेहरा दिखाया है। बांग्लादेश में हिंदू अमानवीय अत्याचार के शिकार हो रहे हैं। हमें मजहबी उन्माद से देश-दुनिया को बचाने का आह्वान करना है। मजहबी उन्माद एकता के माध्यम से परास्त होगा। महर्षि अरविंद का अखंड भारत का सपना ही इसका समाधान होगा।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल, प्रदेश सरकार के मंत्री जयवीर सिंह, बलवीर सिंह औलख, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, संजय सेठ, बृजलाल, विधायक योगेश शुक्ल, ओपी श्रीवास्तव, अमरेश कुमार, विधान परिषद सदस्य महेंद्र सिंह, रामचंद्र प्रधान, मुकेश शर्मा, अनूप गुप्ता, उमेश द्विवेदी, लालजी निर्मल, भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, पूर्व महापौर संयुक्ता भाटिया समेत अनेक जनप्रतिनिधि व गणमान्य मौजूद रहे।

योगी के नेतृत्व में निकली विभाजन विभीषिका स्मृति मौन पदयात्रा

लखनऊ, 14 अगस्त (एजेंसियां)। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस बुधवार को मनाया गया। इसके तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 'विभाजन विभीषिका स्मृति मौन पदयात्रा' निकली। मुख्यमंत्री ने सर्वप्रथम सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पार्चन किया। इसके बाद सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रतिमा स्थल से प्रारंभ होकर पदयात्रा लोकभवन तक पहुंची।

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हाथ में तख्ती लेकर चल रहे थे। इसमें त्रासदी का दंश झेलने वालों की पीड़ा बयां थी। लोकभवन में पहुंचने के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभाजन विभीषिका की त्रासदी पर आधारित अभिलेख प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। विभाजन विभीषिका स्मृति मौन पदयात्रा में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, प्रदेश सरकार के मंत्री जयवीर सिंह, बलवीर सिंह औलख, विधायक योगेश शुक्ल, ओपी श्रीवास्तव, विधान परिषद सदस्य महेंद्र सिंह, रामचंद्र प्रधान, मुकेश शर्मा, अनूप गुप्ता, उमेश द्विवेदी, भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी समेत अनेक जनप्रतिनिधि व गणमान्य मौजूद रहे।

सीएम योगी ने अपने आवास पर फहराया तिरंगा

लखनऊ, 14 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत बुधवार को अपने सरकारी आवास, 5 कालिदास मार्ग पर तिरंगा फहराया। इसके बाद सीएम ने सेल्फी ली। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि हमारी एकता, अखंडता, संप्रभुता और आन-बान-शान का प्रतीक, हमारा तिरंगा, हर घर तिरंगा फहराएंगे। जय हिंद।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर इस वर्ष भी देश में 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान योगी सरकार के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के लगभग साढ़े चार करोड़ से अधिक घरों पर तिरंगा फहराया जाएगा।

इसी क्रम में बुधवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर तिरंगा फहराया। साथ ही यूपी के आम जनमानस से भी अपील की कि सभी अपने घर पर देश की शान तिरंगा फहराएं।

एक सदी से राष्ट्रवाद की अलख जगा रही है गोरक्षपीठ

गोरखपुर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। गोरक्षपीठ, गोरखपुर स्थित उत्तर भारत की प्रमुख और देश की संभवतः इकलौती पीठ जिसमें राष्ट्र प्रेम का जज्बा कूट-कूट कर भरा है। एक ऐसी पीठ जो लगभग एक सदी से लगातार राष्ट्रवाद की अलख जगा रही है।

अपने समय के सबसे ताकतवर मुगल सम्राट अकबर से सीमित संसाधनों से लोहा लेने वाले महाराणा प्रताप भले चित्तौड़ के रहने वाले हों, लेकिन गोरक्षपीठ ने गोरखपुर में उनके आदर्शों को जीवंत कर रखा है। उनके देश प्रेम के जज्बे और जुनून से प्रभावित होकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ ने 1932 में जिस महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की थी, आज वह वटवृक्ष बन कर पूरे पूर्वांचल में ज्ञान का प्रकाश स्तंभ बन चुका है।

पीठ की परंपरा के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हरदम प्रयास रहा है कि शहीदों से जुड़ी जगह लोगों खासकर युवाओं के लिए प्रेरणा स्थल बनें। खासकर युवा पीढ़ी उनके सरोकारों, देश प्रेम के प्रति उनके जज्बे, जुनून और कुर्बानी को जाने और खुद में भी यही भाव पैदा करे। इसी मकसद से आजादी की लड़ाई के टर्निंग पॉइंट माने जाने वाले चौरीचौरा की घटना की शताब्दी वर्ष को धूम धाम से मनाया गया। इसी मकसद से इस साल काकोरी ट्रेन एक्शन की शताब्दी भी मनाई जा रही है। हर जिले में शहीदों के नाम पर पार्क, पौधरोपण के दौरान शहीद वाटिका लगाने को प्रोत्साहन और 13 अगस्त से शुरू घर घर तिरंगा अभियान का भी के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने के पीछे भी यही मकसद है। गोरखपुर और गोरक्षपीठ का आजादी की लड़ाई से गहरा रिश्ता रहा है। जब गांधीजी का गोरखपुर आगमन हुआ था तो योगी आदित्यनाथ के दादा गुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजय नाथ ने युवा वालंटियर के साथ महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। नाम तो उनका चौरी चौरा कांड में भी आया था, पर वह ससम्मान उस केस से बरी हो गए। चौरीचौरा के अलावा डोहरिया, नरहनपुर, महुआपार, अब देवरिया का पैना, डुमरी की रियासत, जिला जेल में पंडित रामप्रसाद बिस्मिल का स्मारक, दाऊदपुर में शचींद्रनाथ सान्याल का स्मारक, शहीद अशफाक उल्ला खां के नाम से बना चिड़ियाघर गोरखपुर का जाएंगे आजादी में रिश्तों का सबूत है।

रामगढ़ताल के किनारे लगा 246 फीट ऊंचा और 540 वर्गमीटर में फैला प्रदेश का सबसे ऊंचा तिरंगा 15 किमी दूर से दिखता है। यह यहां आने जाने वालों के आकर्षण का केंद्र भी है। रेलवे स्टेशन के सामने महाराणा प्रताप की चेतक पर सवार भव्य मूर्ति भी देश भक्ति की प्रेरणा देती है। अब तो मुख्यमंत्री की पहल से गोरखपुर में गौरव संग्रहालय भी बन रहा है। इसमें उन सभी लोगों की मूर्तियां रहेंगी और उनके कृतित्व व व्यक्तित्व की तफसील से जानकारी मिलेगी जिन्होंने जंगे आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विधायक समेत तीन लोगों की हत्या की धमकी

ब्लॉक मुख्यालय की दीवारों पर चस्पा किया धमकी वाला पर्चा

बलिया, 14 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में विधायक समेत तीन लोगों की हत्या की धमकी देते हुए ब्लॉक मुख्यालय की दीवारों पर पर्चा चिपकाया गया है। धमकी के पर्चे के साथ 10 रुपए का नोट भी चस्पा किया गया है। पर्चे में बीते जुलाई माह में बांसडीह कोतवाली के सामने हुई रोहित पांडेय की नृशंस हत्या का हवाला देते हुए क्षेत्रीय विधायक केतकी सिंह, गड़वार के भानु दुबे और छोड़हर के शुभम चौबे की हत्या करने की घोषणा की गई है। साथ ही पुलिस को चैलेंज भी किया गया है कि उसके अंदर हिम्मत हो तो वारदात को अंजाम देने से रोक लें।

इस संबंध में थानाध्यक्ष सुखपुरा योगेंद्र सिंह का कहना है कि मामला संज्ञान में आया है। उसकी जांच कराई जा रही है। इस तरह के पर्चे पूर्व में भी ब्लॉक मुख्यालय की दीवारों समेत ग्राम सभा असेगा और बेरूआरबारी गांव में चिपकाए गए थे। बलिया के एसपी विक्रांत वीर ने कहा, सुखपुरा थाना क्षेत्र के बेरुआरबारी में विधायक की हत्या कराने के पर्चे मामले में थाना में मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। मामले की जांच कर आरोपी तक पहुंचने में टीम लगी है।

बिना बताए विदेश गए डीआईजी पर सख्त कार्रवाई

दो अन्य अफसरों पर भी एक्शन

लखनऊ, 14 अगस्त (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत स्टांप और रजिस्ट्रेशन विभाग ने अपने तीन वरिष्ठ अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की है। बिना अनुमति विदेशों की सैर करने पर डीआईजी राम इकबाल सिंह को आगरा से हटाकर मुख्यालय अटैच कर दिया है। जांच लेकर बैठे और रिपोर्ट न देने पर अपर महानिरीक्षक को भी पद से हटा दिया गया है।

भ्रष्टाचार के आरोप में सहायक महानिरीक्षक सुनीता बाजपेयी के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। एक साथ तीन वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ सख्त एक्शन से विभाग में खलबली मची है। आगरा मंडल के उप महानिरीक्षक निबंधन और उपायुक्त स्टांप बिना विभागीय अवकाश के नेपाल चले गए थे। इससे पहले विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र लिए बिना थाईलैंड जाने के भी आरोप थे। बिना अनुमति विदेश यात्रा को लेकर आगरा मंडल की कमिश्नर रितु महेश्वरी ने उनकी शिकायत की थी। हालांकि बताया जाता है कि बाद में थाईलैंड यात्रा की एनओसी मिल गई थी।

उनके खिलाफ अनियमितताओं के मामले की भी जांच चल रही थी। जांच प्रभावित करने की संभावना देखते हुए राम इकबाल सिंह को प्रयागराज मुख्यालय से सम्बद्ध कर दिया गया। राम इकबाल सिंह पर लगे आरोपों की जांच की जिम्मेदारी अपर महानिरीक्षक निबंधन (पश्चिमी क्षेत्र) मुनीन्द्र सक्सेना को सौंपी गई थी।

इसके अतिरिक्त उन्हें अन्य कई मामलों की जांच भी वह कर रहे थे लेकिन जांच दबाए रहने के कारण कार्यवाही नहीं हो पा रही थी। साथ ही लोगों को होने वाली परेशानी से जुड़े तमाम मामले भी विभाग में आ रहे थे। इसे देखते हुए प्रमुख सचिव लीना जौहरी ने उन्हें भी मुख्यालय से सम्बद्ध कर दिया। श्रावस्ती की सहायक महानिरीक्षक निबंधन और सहायक आयुक्त स्टाम्प सुनीता बाजपेयी पर भाजपा विधायक राम फेरन पांडेय ने भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए थे।

उन्होंने स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन मंत्री रवीन्द्र जायसवाल से लिखित में शिकायत की थी। शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए सुनीता बाजपेयी को भी प्रयागराज मुख्यालय से सम्बद्ध कर लखनऊ कैम्प कार्यालय स्थित उप महानिरीक्षक निबंधन को जांच के निर्देश दिए गए हैं। आईजी स्टांप डॉ. रूपेश कुमार ने जांच रिपोर्ट पेश करने के लिए उन्हें 15 दिन का समय दिया गया है।

काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ

काकोरी के नायकों की गाथा पूरे देश में पहुंचाएगी योगी सरकार

लखनऊ, 14 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश सरकार काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ मना रही है। 9 अगस्त को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसका आगाज किया है। अब पूरे वर्ष शताब्दी समारोह आयोजित किया जाएगा। इसी क्रम में, लखनऊ स्थित भारतेंदु नाट्य अकादमी देश के कई राज्यों में काकोरी नायकों की कहानी और ऐतिहासिक ट्रेन एक्शन की गाथा को अपनी नाट्य प्रस्तुति से जीवंत करेगी।

भारतेंदु नाट्य अकादमी के निदेशक बिपिन कुमार ने बताया कि नाट्य प्रस्तुतियां उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों के साथ-साथ महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, उत्तराखंड, बिहार, तेलंगाना और दिल्ली सहित कई अन्य राज्यों में भी आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा सिक्किम और असम सहित पूर्वोत्तर क्षेत्रों में भी इसका प्रदर्शन किया जाएगा। निदेशक के मुताबिक अकादमी की तरफ से सितंबर में नाट्य प्रस्तुतियों का शुभारंभ होगा। इसका पहला आयोजन लखनऊ में किया जाएगा। देश भर के अन्य राज्यों से पहले यूपी के जनपदों में भी इसका मंचन किया जाएगा। गौरतलब है कि काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ पर योगी सरकार अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दे रही है। 9 अगस्त को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष भर चलने वाले समारोह का शुभारंभ किया था। योगी सरकार भारत के गौरवशाली अतीत से वर्तमान व भावी पीढ़ी को परिचित कराने के उद्देश्य से पूरे साल यह आयोजन करेगी।

तेलंगाना के लिए बड़ा निवेश लेकर विदेश दौरे से लौटे सीएम रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी राज्य के लिए बड़ा निवेश लेकर बुधवार सुबह अपनी टीम के साथ विदेश दौरे से वापस लौटे। श्री रेड्डी का विमान पूर्वाह्न करीब 11 बजे हैदराबाद के शमशाबाद हवाई अड्डे पर उतरा।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया की अपनी 10 दिवसीय यात्रा के दौरान, श्री रेड्डी ने प्रभावी ढंग से दुनिया के सामने नए तेलंगाना का प्रदर्शन किया। उन्होंने इस दौरान किये गये महत्वपूर्ण रणनीतिक निवेशों पर पर प्रकाश डाला है। प्रतिनिधिमंडल ने 30,750 नई नौकरियां पैदा करने की प्रतिबद्धताओं के साथ-साथ कुल 31,532 करोड़ रुपये का निवेश सफलतापूर्वक आकर्षित किया।

टीम 19 कंपनियों के साथ परामर्श और समझौते में भी लगी हुई है। हैदराबाद को 4.0 शहर के रूप में विकसित करने की राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। कई कंपनियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, फार्मास्यूटिकल्स, जीवन विज्ञान, इलेक्ट्रिक वाहन, डेटा सेंटर और आईटी इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में सरकार के साथ सहयोग करने में रुचि व्यक्त की। विशेष रूप से, एप्पल, गूगल, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय और विश्व बैंक जैसी प्रमुख संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की गई।अमेज़ॅन, ज़ोइटिस, एचसीए हेल्थकेयर, विविंट फार्मा, थर्मो फिशर, अरम इक्विटी, ट्रिगिन टेक्नोलॉजीज और मोनार्क ट्रैक्टर जैसी कंपनियों ने राज्य में परिचालन का विस्तार करने और नए केंद्र स्थापित करने के लिए अपनी तत्परता व्यक्त की। दक्षिण कोरिया में, कोरियाई कपड़ा उद्योग महासंघ ने राज्य में निवेश के श्री रेड्डी के आह्वान पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। एलएस कंपनी की एक टीम जल्द ही तेलंगाना का दौरा करने वाली है।

कर्ज लेने में नए रिकॉर्ड स्थापित कर रही कांग्रेस सरकार : केटीआर

हैदराबाद,14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) ने सत्ता में आने के सिर्फ आठ महीनों के भीतर कांग्रेस सरकार पर 50 हज़ार करोड़ रुपए का कर्ज जमा होने पर चिंता व्यक्त की और मौजूदा सरकार की आलोचना की है।

केटीआर ने बुधवार को जारी एक बयान में सवाल किया कि क्या बदलाव का वादा करके सत्ता में आने वाली कांग्रेस सरकार इतनी कम अवधि के भीतर खासकर बिना कोई नई परियोजना शुरू किए 50,000 करोड़ रुपये का कर्ज लेकर एक रिकॉर्ड बना रही है। उन्होंने बताया कि 2023 में राज्य के पास 5,900 करोड़ रुपये का अधिशेष बजट था जो अब केवल 08 महीनों में 50,000 करोड़ रुपए के चौंका देने वाले कर्ज में बदल गया है। केटीआर ने कांग्रेस पर पिछली बीआरएस सरकार के तहत राज्य की वित्तीय स्थिति के बारे में झूठ और आधा सच फैलाकर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया।उन्होंने जोर देकर कहा कि जहां बीआरएस सरकार ने राज्य की संपत्ति बढ़ाने के लिए काम किया था वहीं कांग्रेस अब उधार लेने में नए रिकॉर्ड स्थापित कर रही है, जिससे राज्य ऋण संचय के मामले में शीर्ष पर है। केटीआर ने इस वित्तीय स्थिति के लिए कांग्रेस सरकार से स्पष्टीकरण की मांग की। उन्होंने कहा कि अगर उधार लेने की मौजूदा प्रवृत्ति जारी रही तो कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के अंत तक राज्य का कर्ज का बोझ चार से पांच लाख करोड़ रुपये तक बढ़ सकता है। गलत सूचना फैलाकर बीआरएस को कमजोर करने के कांग्रेस के प्रयासों के बावजूद, केटीआर ने विश्वास जताया कि लोग स्थिति से अवगत हैं और सही समय पर उचित प्रतिक्रिया देंगे।

कोलकाता में डॉक्टर बलात्कार-हत्या मामला

तेलंगाना में जूनियर डॉक्टरों ने बाह्य रोगी सेवाओं का किया बहिष्कार

हैदराबाद, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, कोलकाता में हाल ही में एक महिला मेडिकल छात्रा के साथ बलात्कार और हत्या के खिलाफ देशव्यापी विरोध के समर्थन में तेलंगाना में सरकारी अस्पतालों के जूनियर डॉक्टरों ने बुधवार को आउट पेशेंट सेव-ाओं का बहिष्कार किया।टी-जूडा ने सभी स्नातकोत्तर, वरिष्ठ रेजिडेंट, सुपर स्पेशलिटी रेजिडेंट और हाउस सर्जनों से सेवाओं का बहिष्कार करने का आग्रह किया है। पीड़िता के लिए न्याय की मांग करते हुए मेडिकोज ने विभिन्न अस्पतालों में विरोध प्रदर्शन किया। सिकंदराबाद के गांधी अस्पताल में जूनियर डॉक्टरों ने प्रवेश द्वार पर धरना दिया। वे डॉक्टरों को बचाएं, हम न्याय की मांग करते हैं और जो हाथ ठीक करते हैं, उनमें खून नहीं निकलना चाहिए जैसे नारे लिखी तख्तियां लिए हुए थे। टी-जूडा के एक नेता ने कहा, हम डॉक्टर के बलात्कार और हत्या में शामिल सभी लोगों के लिए मौत की सजा की मांग कर रहे हैं।प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में हुआ भयानक अपराध सुरक्षा विफलता और सरकार और समाज की लापरवाही का नतीजा था। वह किसी असुरक्षित जगह पर नहीं थी। वह कैंपस के अंदर थी। अगर वहां इतना जघन्य अपराध हुआ है, तो इसका मतलब है कि यह सरकार और लोगों की स्पष्ट चूक है। प्रदर्शनकारियों ने डॉक्टरों पर हमलों को रोकने के लिए कड़े कानून की मांग की। तेलंगाना की महिला एवं बाल कल्याण मंत्री सीताक्का जो एक मरीज से मिलने गांधी अस्पताल गईं, ने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों के प्रति एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने कोलकाता में जूनियर डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या की कड़ी निंदा की। पोस्टग्रेजुएट्स ने कोटि के ईएनटी अस्पताल, उस्मानिया जनरल अस्पताल और हैदराबाद और राज्य के अन्य हिस्सों के अन्य अस्पतालों में अपने कर्तव्यों का बहिष्कार किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि चूंकि डॉक्टरों को लगातार 24-36 घंटे काम करना पड़ता है, इसलिए उन्हें सभी अस्प-तालों में कड़ी सुरक्षा के साथ ड्यूटी रूम उपलब्ध कराया जाना चाहिए।एक महिला जूनियर डॉक्टर ने कुछ लोगों द्वारा सेमिनार हॉल में पीड़िता की मौजूदगी पर सवाल उठाने की कोशिशों की निंदा करते हुए कहा कि यह घटना से भी ज्यादा डरावना है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर यह मांग नहीं कर रहे हैं कि उनका सम्मान किया जाए या उनके साथ भगवान जैसा व्यवहार किया जाए। हम सिर्फ सुरक्षित महसूस करना चाहते हैं। टी-जूडा उन अधिकारियों के इस्तीफे की मांग कर रहा है जिन्होंने पीड़ित परिवार को मौत के कारण के बारे में गुमराह करने का प्रयास किया, परिवार के लिए पर्याप्त मुआवजा और केंद्रीय सुरक्षा अधिनियम (सीपीए) 2020 को लागू किया।

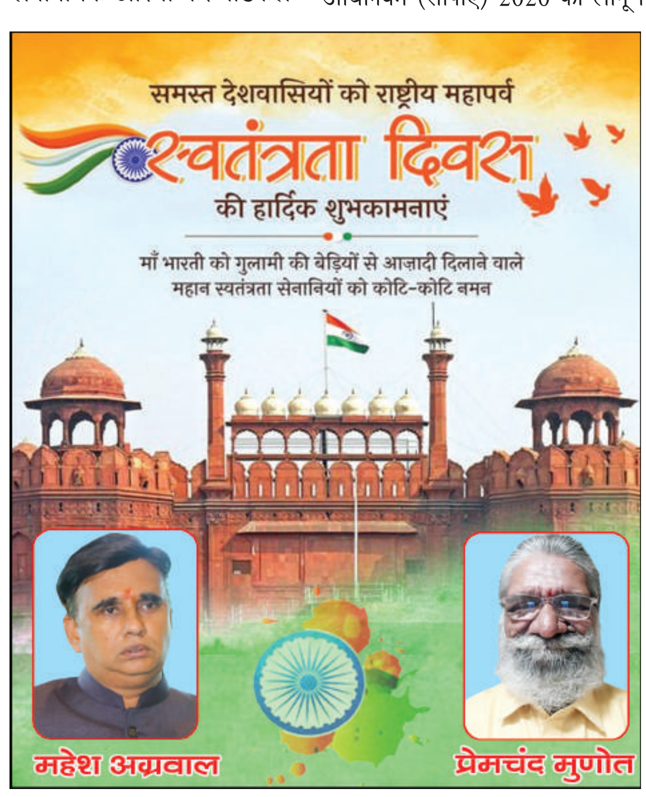

दमरे ने टिकट काउंटरों पर क्यूआर कोड भुगतान सुविधा की प्रारंभ

शुरुआत में कुछ प्रमुख स्टेशनों पर शुरू की गई यह सुविधा अब पूरे जोन के सभी स्टेशनों पर विस्तारित की गई

यूटीएस और पीआरएस काउंटरों के माध्यम से टिकट खरीदना अब क्यूआर कोड सुविधा से हुआ और आसान

हैदराबाद, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) ने यात्रियों की सुविधा के लिये सभी स्टेशनों के टिकट काउंटरों पर क्यूआर कोड भुगतान सुविधा शुरू की है।

दमरे ने यात्रियों के लिए रेलवे प्लेटफॉर्मों पर क्यूआर (क्विक रिस्पांस) कोड की सुविधा शुरू की है, जिसका उपयोग करके सामान्य बुकिंग और आरक्षण काउंटरों पर टिकटों का भुगतान किया जा सकता है। दमरे ने बुधवार को एक बयान में कहा कि यह सुविधा कैशलेस लेनदेन को प्रोत्साहित करती है। सभी टिकट काउंटरों पर विशेष उपकरण लगाए गए हैं, जो टिकट खिड़कियों के ठीक बाहर स्थित हैं।

यात्री अपने मोबाइल फोन पर भुगतान ऐप का उपयोग करके कोड को स्कैन कर सकते हैं। भुगतान की पुष्टि होने के बाद, टिकट तैयार किया जाता है और यात्री को जारी कर दिया जाता है। बयान के अनुसार, यह कैशलेस भुगतान सुविधा, जो शुरुआत में प्रमुख स्टेशनों के प्रमुख काउंटरों पर लागू की गई थी, अब पूरे क्षेत्र के सभी काउंटरों पर विस्तारित की जा रही है। दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने इस अतिरिक्त डिजिटल भुगतान विकल्प को शुरू करने के लिए वाणिज्यिक और तकनीकी कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.